संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -02 गुरूवार ,02 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छात्र ने हाईकोर्ट से जज के लिए मांगी मौत की सजा

याचिका खारिज करने वाले न्यायाधीश के लिए मौत की सजा की मांग को लेकर हाईकोर्ट में दायर की थी याचिका

» अब छह महीने काटेगा जेल की हवा

» अवमानना मामले आईआईटी के पूर्व छात्र को छह महीने कारावास की सजा

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2023(ए)। न्यायाधीश के लिए मौत की सजा की मांग करने वाले आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र को दिल्ली हाईकोर्ट ने छह महीने जेल की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति शैलिंदर कौर की पीठ ने कहा कि वादी नरेश शर्मा को अपने आचरण और कार्यों पर कोई पश्चाताप नहीं है। नरेश के खिलाफ अगस्त में आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू की गई थी।

पीठ ने कहा कि नरेश को अदालत की अवमानना अधिनियम-1971 का दोषी पाया गया है और उन्हें दो हजार रुपये के जुर्माने के साथ छह महीने की अवधि के लिए साधारण कारावास की सजा सुनाई जाती है। जुर्माना अदा न करने पर सात दिनों की साधारण कैद भुगतनी होगी। अदालत ने शर्मा को हिरासत में लेकर तिहाड़ जेल को सौंपने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि शर्मा ने अपनी शिकायत में एकल न्यायाधीश को चोर कहा था। शर्मा के कथन पर हैरानी व्यक्त करते हुए पीठ ने कहा कि देश के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे न्यायालय की गरिमा और कानून की न्यायिक प्रक्रिया को बनाए रखते हुए अपनी शिकायतों को सभ्य तरीके से सामने रखेंगे।

अपमानजनक जवाब किया दायर

अदालत ने कहा कि अवमाननाकर्ता ने आक्रोश के कारण याचिकाओं को प्राथमिकता दी, लेकिन कारण बताओ नोटिस जारी होने के बावजूद अत्यधिक अपमानजनक जवाब दायर किया। अवमाननाकर्ता ने एकल पीठ के लिए बेहद अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है।

मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया जा रहा

अदालत ने उक्त टिप्पणी 20 जुलाई को पारित एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली नरेश शर्मा की अपील पर सुनवाई करते हुए की। शर्मा ने एकल न्यायाधीश के समक्ष आरोप लगाया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। नरेश शर्मा ने अपील याचिका दायर कर 20 जुलाई के एकल पीठ के निर्णय को चुनौती दी थी। एकल पीठ ने नरेश शर्मा की याचिका को खारिज करते हुए 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। नरेश ने उक्त याचिका में आरोप लगाया था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है।

मंत्री की कार में तोड़फोड़

दो प्रदर्शनकारी पुलिस हिरासत में

मुंबई,01 नवम्बर 2023(ए)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से राज्य भर में विरोध प्रदर्शन चल रहा है। बीड जिले में कुछ जगहों पर आगजनी हुई है, आज सुबह मंत्रालय के पास विधायक निवास के पास मंत्री हसन मुश्रीफ की कार के शीशे तोड़ दिए गए हैं। पुलिस ने इस बर्बरता मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। अब आकाशवाणी विधायक आवास के पास भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक बताया गया है कि आरोपी छत्रपति संभाजीनगर से आया था। मंत्री हसन मुश्रीफ की कार आकाशवाणी विधायक आवास के पास खड़ी थी। बताया जा रहा है कि इन दोनों प्रदर्शनकारियों के साथ एक और शख्स भी है, उसने बताया कि तीनों प्रदर्शनकारी ट्रेन से मुंबई आए थे।कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जारांगे पाटिल ने कहा कि जब तक मराठा समुदाय को आरक्षण नहीं दिया जाता, तब तक पीछे हटने वाले नहीं हैं। सरकार को शिंदे कमेटी की रिपोर्ट मान लेनी चाहिए। आरक्षण की भूमिका की घोषणा के लिए एक विशेष सत्र आयोजित किया जाना चाहिए।

भारतीय नौसेना को बड़ी सफलता

बंगाल की खाड़ी में किया ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2023(ए)। भारतीय नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइल की सफल फायरिंग की है। नौसेना ने बुधवार 1 नवंबर को बंगाल की खाड़ी में ब्रह्मोस की यह फायरिंग की। नेवी के कई डिस्ट्रॉयर्स पर ब्रह्मोस मिसाइल तैनात की गई है। नौसेना के नीलगिरी, शिवालिक और तलवार क्लास के फ्रिगेट में भी ब्रह्मोस मिसाइल तैनात है। नौसेना ने बुधवार को किए गए परीक्षण से जुड़ी एक तस्वीर भी जारी की है।

रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इसे भारत और रूस ने मिलकर विकसित किया है। इसका नाम ब्रह्मपुत्र और मॉस्कवा नदियों के नाम को मिलाकर रखा गया है। यह मिसाइल जल, थल से लेकर नभ तक मार कर सकती है। गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय नौसेना को गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रोयर वाला तीसरा स्टील्थ विध्वंसक युद्धपोत सौंपा गया है। शुक्रवार 20 अक्टूबर को सौंपा गया यह युद्धपोत सरफेस टू सरफेस सुपरसोनिक 'ब्रह्मोस' मिसाइल और मीडियम रेंज सरफेस टू एयर 'बराक-8' मिसाइल से लैस है। ब्रह्मोस मिसाइल से लैस इस युद्धपोत में पानी के अंदर युद्ध करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित एंटी-सबमरीन वेपन और सेंसर, मुख्य रूप से हल माउनटेड सोनार हुमसा एनजी, हेवी वेट टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर और रॉकेट लॉन्चर फिट किया गया है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पोत का निर्माण स्वदेशी इस्पात (स्टील) डीएमआर 249ए से किया गया। यह भारत के सबसे बड़े विध्वंसकों में एक है। इसकी कुल लंबाई 164 मीटर और विस्थापन क्षमता 7500 टन से अधिक की है। यह जहाज एक शक्तिशाली प्लेटफार्म है जो समुद्री युद्ध के पूर्ण स्पेक्ट्रम में फैले विभिन्न प्रकार के कार्यों और मिशनों को पूरा करने में सक्षम है।

सरयू नदी में नाव पलटने से 18 लोग डूबे

» 2 के शव बरामद; एनडीआरएफ और एसडीआरएफने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

» नाव पर सवार थे 18 लोग,तीन लोगों का शव नदी से बरामद किया गया, अन्य की खोज जारी

» यूपी के बलिया जिले के दियारा इलाके से लत्ती बो कर वापस लौट रहे थे मांझी के किसान

» नाव पलटने की सूचना से मची अफरा तफरी, मांझी के घाट पर पहुंचे डीएम और एसपी

मांझी (सारण),01 नवम्बर 2023(ए)। सारण जिला के मांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत मटियार घाट के समीप बुधवार की देर शाम नाव के पलटने से उसपर सवार 18 लोग डूब गए। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने खोजबीन शुरू कर दी। 2 लोगों का शव नदी से बरामद किया गया। वहीं, 9 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई। सात लोगों की तलाश अभी भी जारी है। मांझी घाट पर मेडिकल टीम द्वारा जो सूची बनाई गई है। उसके अनुसार मटियार गांव के साधु बीन, कमल राय, झींगन महतो, बजरंगी महतो, त्रिलोकी बीन, दीपक कुमार, पीयूष कुमार एवं प्रियंका कुमारी वापस लौट आए हैं। इन लोगों में नाव चालक त्रिलोकी बीन भी शामिल हैं।इस दुर्घटना में फूल कुमारी देवी एवं छठी देवी को मृत बताया जा रहा है। वहीं, लापता होने वाली सूची में मटियार गांव के सुभाष राय, रोशनी कुमारी, भोला महतो, चमेली देवी, तारा देवी, रमिता देवी, पिंकी कुमारी शामिल हैं। डीएम अमन समीर ने बताया कि लोगों से जानकारी मिली है कि नाव में कुल 18 लोग सवार थे। उनमें से दो की मौत हो चुकी है, जिनका शव बरामद किया गया है। वहीं, नौ लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई है, जबकि सात लोगों की खोज जारी है।

उत्तर प्रदेश के दियारा से खेती कर लौट रहे थे किसान

मांझी प्रखंड क्षेत्र के किसान दियारा से खेती कर घर लौट रहे थे। लौटने के क्रम में नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया जाता है कि इस नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। जिला प्रशासन के पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिए। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद छपरा सदर अस्पताल के मांझी मटियार में घटनास्थल पर मेडिकल टीम भी पहुंच गई है। मांझी के मटिहार गांव के आसपास गांव के लोग अक्सर उत्तर प्रदेश में दूसरों के खेत में काम करने के लिए छोटे नव से आते -जाते रहते हैं। सरयू नदी घाट पर छोटे नाव से अक्सर आते हैं, इसे देखने वाला कोई नहीं है।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के संपर्क में रहने के आरोप में सेना के मेजर पर गिरी गाज

राष्ट्रपति ने किया बर्खास्त

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2023(ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के संपर्क में रहने के आरोप में भारतीय सेना के एक मेजर को सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के लिए बर्खास्त कर दिया है। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी।

वह सेना की स्ट्रैटजिक फोर्सेज कमांड यूनिट में तैनात थे।सेना की जांच में मेजर को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा पैदा करने वाले कार्यों का दोषी पाया गया। बर्खास्त मेजर कथित तौर पर सोशल मीडिया के माध्यम से एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटर के संपर्क में था। सूत्रों ने बताया कि मेजर पर लगे आरोपों की जांच के लिए मार्च 2022 में अधिकारियों का एक पैनल गठित किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जांच के दौरान पता चला कि मेजर के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में गुप्त दस्तावेजों की कॉपी थी, जो सेना के नियमों के खिलाफ है। सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेजर की दोस्ती की भी जांच की गई और कहा जा रहा है कि 'पटियाला पेग' नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप के कुछ सदस्य भी इस जांच के दायरे में हैं।

सेना ने सोशल मीडिया नीतियों का उल्लंघन करने और व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य होने के लिए एक ब्रिगेडियर और एक लेफ्टिनेंट कर्नल को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। इस व्हाट्सएप ग्रुप पर आपत्तिजनक सामग्री शेयर की जा रही थी। सेना अपने चार अधिकारियों के 'पटियाला पेग' व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य होने की जांच कर रही है। यह संदेह है कि व्हाट्सएप ग्रुप में पाकिस्तान इंटेलिजेंस के संचालक भी सदस्य हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला विरोधाभासी और अन्यायपूर्णः पुनर्विचार याचिका दाखिल

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2023(ए)। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक पुनर्विचार याचिका सर्वोच्च अदालत में दाखिल की गई है। यह याचिका इस मामले के एक याचिकाकर्ता उदित सूद की ओर से दाखिल की गई है।

याचिकाकर्ता की ओर से समलैंगिक विवाह पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को परस्पर-विरोधाभासी और साफ तौर पर अन्यायपूर्ण बताया गया है। गौरतलब है कि 17 अक्टूबर को अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका में कहा गया है, समलैंगिक समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव को फैसले में स्वीकार किया गया है, लेकिन भेदभाव के कारण को नहीं हटाया गया है। विधायी विकल्प समलैंगिक जोड़ों को समान अधिकारों से वंचित करके उन्हें मानव से कमतर मानते हैं.

विवाह का अर्थ क्या है, दूसरा समूह परिभाषित नहीं कर सकता

इसमें कहा गया है कि सरकार के स्टैंड से लगता है कि रेस्पॉन्डेंट मानते हैं कि एलजीबीटीओ समुदाय एक समस्या हैं। इसमें आगे बताया गया है, बहुमत का फैसला इस बात को नजरअंदाज करता है कि विवाह, अपने मूल में, एक लागू करने लायक सोशल कॉन्ट्रैक्ट है। इस कॉन्ट्रैक्ट का अधिकार सहमति देने में सक्षम किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध है। किसी भी धर्म या किसी भी धर्म को नहीं मानने वाले वयस्क इसमें शामिल हो सकते हैं। लोगों का कोई भी समूह दूसरे के लिए यह परिभाषित नहीं कर सकता कि %विवाह% का अर्थ क्या है

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इसपर कानून बनाने का अधिकार संसद का

पिछले 17 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से मना कर दिया था। अदालत ने कहा था कि इसपर कानून बनाने का अधिकार संसद का है। पांच जजों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मत से दिए फैसले में कहा कि विवाह करना कोई मौलिक अधिकार नहीं है। हालांकि, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस संजय किशन कौल ने समलैंगिक साझेदारी को मान्यता दिए जाने की वकालत की और इस समुदाय के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए भेदभाव-विरोधी कानून बनाने पर भी जोर दिया।

समलैंगिकों के गोद लेने के खिलाफ बहुमत से सुनाया गया फैसला

वैसे पाच-जजों की संविधान पीठ में गोद लेने, सिविल यूनियन और समलैंगिक जोड़ों को मान्यता देने पर सहमत नहीं हुई। अदालत ने चार अलग-अलग फैसलों में गोद लेने के खिलाफ 3-2 से फैसला सुनाया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि समलैंगिकों की रिलेशनशिप को बगैर शादी की कानूनी मान्यता दिए उनके अधिकारों और हक की पड़ताल के लिए एक समिति गठित करे।

दीपावली से पहले आम आदमी को झटका : फिर महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2023(ए)। नवंबर महीने की शुरुआत होते ही महंगाई ने आम आदमी को एक बार फिर से झटका दिया है। प्याज की बढ़ती कीमतों के बीच अब पेट्रोलियम कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में भी बढ़ोतरी की है। 1 नवंबर 2023 से 19 किलोग्राम के सिलेंडर पर 100 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, 19 किलोग्राम का सिलेंडर अब दिल्ली में 1833 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले यह 1731 रुपये का मिल रहा था। वहीं, मुंबई में सिलेंडर की कीमत 1684 रुपये से बढ़कर 1785.50 रुपये हो गई हैय कोलकाता में कामर्शियल सिलेंडर 1839.50 रुपये से बढ़कर 1943 रुपये हो गई है, चेन्नई में कामर्शियल सिलेंडर अब 1999.50 रुपये का हो गया है रिपोर्ट्स के अनुसार महीने में भी कामर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 300 से ज्यादा रुपये की बढ़ोतरी देखी गई है। इससे पहले अक्टूबर महीने की पहली तारीख को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 209 रुपये तक बढ़ाए गए थे।

केनरा बैंक धोखाधड़ीः ईडी की चार्जशीट में जेट एयरवेज के संस्थापक गोयल,पत्नी व कंपनी के नाम शामिल

मुंबई,01 नवम्बर 2023(ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केनरा बैंक के 538 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में चार्जशीट दाखिल की है। इसमें जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल, उनकी पत्नी अनीता गोयल और चार अन्य कंपनियों का नाम शामिल है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।एक विशेष अदालत के समक्ष दायर आरोप पत्र, नवंबर 2022 की केनरा बैंक की शिकायत में 1 सितंबर को गोयल की गिरफ्तारी के दो महीने बाद आया। इसमें आरोप लगाया गया था कि एयरलाइन के लिए दिए गए ऋण को कथित तौर पर व्यक्तिगत खर्चों और अपनी निजी देनदारियों को चुकाने के लिए इस्तेमाल किया गया था।मामले की अगली सुनवाई बुधवार को होने की संभावना है। जेट एयरवेज द्वारा पुनर्भुगतान में चूक के बाद, केनरा बैंक ने

2019 में इसे गैर-निष्पादित संपत्ति घोषित कर दिया और ईडी ने दावा किया कि 538 करोड़ रुपये की ऋण राशि को डायवर्ट किया गया और निकाल लिया गया।74 वर्षीय गोयल को ईडी ने 1 सितंबर को गिरफ्तार किया था, और वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में आर्थर रोड सेंट्रल जेल में बंद हैं, हालांकि उन्होंने मामले में अपनी अवैध गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए एक आवेदन दिया हैईडी ने दलील दी है कि गोयल ने कथित तौर पर अपने परिवार के सदस्यों को कर्मचारियों के रूप में नियुक्त करके, अपनी बेटी द्वारा बनाई गई कंपनी के वेतन का भुगतान, विदेशी खातों में किए गए भुगतान के साथ बेहिसाब लेनदेन, पेशेवर और परामर्श शुल्क, संदिग्ध खर्च आदि के रूप में लगभग एक हजार करोड़ का भुगतान कर कंपनी के धन का दुरुपयोग किया।

संगमरमर के स्वर्ण जड़ित आठ फीट ऊंचे 'सिंहासन' पर विराजमान होंगे रामलला

अयोध्या,01 नवम्बर 2023 (ए)। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला संगमरमर के स्वर्ण जड़ित आठ फीट ऊंचे 'सिंहासन' पर विराजमान होंगे। राजस्थान के कारीगरों द्वारा तैयार किया जा रहा यह सिंहासन आगामी 15 दिसंबर तक अयोध्या पहुंच जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने बताया कि आठ फीट ऊंचे, तीन फीट लंबे और चार फीट चौड़े सिंहासन को राम मंदिर के गर्भगृह में रखा जाएगा। इस पर पांच साल पुरानी रामलला की मूर्ति रखी जाएगी।

मिश्रा ने बताया कि भगवान राम के भक्तों ने भी बड़ी मात्रा में सोने और चांदी की वस्तुएं दान की हैं। उनका कहना था कि चूंकि ट्रस्ट के गठन से पहले और बाद में दान की गई ये सोने-चांदी की वस्तुएं, सिक्के और ईंटें पिघल जाएंगी, ऐसे में उन्हें सुरक्षित रखने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए उन्हें पिघलाकर सुरक्षित रखा जाएगा तथा यह कार्य

एक प्रतिष्ठित संस्था के मार्गदर्शन में किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि राम मंदिर का भूतल 15 दिसंबर तक हर हाल में तैयार कर लिया जाएगा और प्रथम तल का काम भी 80 फीसदी तक पूरा हो चुका है। मिश्रा ने बताया कि परिक्रमा मार्ग के फर्श का काम भी पूरा हो चुका है, अब गृह मंडप के फर्श पर संगमरमर बिछाने का काम चल रहा हैय उनके अनुसार यात्री सुविधा केंद्र की तीनों मंजिलों की छत का निर्माण हो चुका है एवं सुरक्षा उपकरण भी लगाए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि राम मंदिर की बाहरी दीवार ('परकोटा') के प्रवेश द्वार का काम भी अंतिम चरण में है और यह काम भी नवंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा। उनके अनुसार पहली मंजिल के 17 खंभे लगाए जा चुके हैं और केवल दो खंभे लगाए जाने बाकी हैं। उन्होंने 15 दिसंबर तक पहली मंजिल की छत बन जाने की उम्मीद जताई।

संपादकीय

भारत का संदेश क्या है ?

भारत सरकार को यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए कि उसके सामने असली चुनौती वह रुख और संदेश तय करने की है, जिससे वह भारत को नए उभरते वैश्विक ढांचे में नेतृत्वकारी भूमिका रखने वाले देशों में शामिल कर सके।

यह खबर महत्त्वपूर्ण है कि भारत अपनी विदेश सेवा के पुनर्गठन की योजना बना रहा है। इसके तहत प्रवेश स्तर (एंट्री लेवल) के अधिकारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके पहले विदेश मामलों की संसदीय स्थायी कमेटी ने एक रिपोर्ट में कहा था कि भारत की राजनयिक सेवा अपेक्षाकृत छोटी अर्थव्यवस्था वाले देशों के मुकाबले भी कम स्टाफ वाली है। कमेटी ने सिफारिश की थी कि भारतीय विदेश सेवा में मौजूद बल की तुलना और चीन के राजनयिक मिशनों और अन्य प्रमुख विकासशील देशों की विदेश सेवाओं के साथ की जानी चाहिए। हाल में भारत सरकार ने भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की समीक्षा और पुनर्गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बदलते वक्त के तकाजों को अगर ध्यान में रखें, तो इस निर्णय को स्वागतयोग्य माना जाएगा। मगर इससे यह सोच लेना शायद सही नहीं होगा कि यह कदम उठा लिए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विश्व मंचों पर भारत की उपस्थिति अधिक प्रभावशाली हो जाएगी। आखिरकार आईएफएस अधिकारी महज संदेशवाहक होते हैं। संदेश देश का राजनीतिक नेतृत्व तैयार करता है।

इस समय सबसे ज्यादा भ्रम इसको लेकर पैदा हो गया है कि प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर भारत का रुख क्या है और वह दुनिया को क्या संदेश देना चाहता है? बीते पौने दो साल के अंदर दुनिया में दो बड़े संकट (यूक्रेन युद्ध और इजराइल-फिलस्तीन युद्) खड़े हुए। मगर इन दोनों मामलों में भारत का रुख संयुक्त राष्ट जैसे मंच पर मतदान में भाग ना लेना है। उधर दुनिया में तीखे होते ध्रुवीकरण के बीच हर नाव पर कदम रखने की नीति थोड़े समय के लिए लाभदायक हो सकती है, लेकिन उससे देश की छवि और हैसियत नहीं चमकेगी। सरकार को यह अवश्य याद रखना चाहिए कि उसके सामने असली चुनौती वह रुख और संदेश तय करने की है, जिससे वह भारत को नए उभरते वैश्विक ढांचे में नेतृत्वकारी भूमिका रखने वाले देशों में शामिल कर सके। वरना, विदेश सेवा का विस्तार महज ऐसे नौकरशाहों की संख्या बढ़ना भर बनकर रह जाएगा, जो पेचीदा मुद्दों पर वैश्विक बहस के बीच दिशाहीन नजर आएंगे। उसे याद रखना चाहिए कि नौकरशाहों का दिशा-निर्देशन करना उसका दायित्व है।

भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2023 जारी-
हादसों में मृतकों घायलों की संख्या ने डराया

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

» **आओ तेज गति,लापरवाही व नशे में गाड़ी चलाना छोड़ यातायात नियमों का अनुपालन करें**

» **दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारकों का समाधान करने व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की तात्कालिक आवश्यकता**

वैश्विक स्तर पर तेजी से विकास के झंडे गाड़ते हुए बढ़ती प्रौद्योगिकी से मानवीय सुख सुविधाओं संसाधनों के नए-नए उच्चस्तरीय आयामो के आविष्कार को अंजाम दिया जा रहा है, याने एक दिन का काम एक मिनट में और एक माह का काम पांच मिनट में निपटाने से सुख सुविधाओं विलोमों का मानवीय जीव आज भोग कर रहा है, परंतु फिर भी मानवीय जीव को समय की कमी आन पड़ी है और बिना किसी भय व अंजाम के सोचतेहुए शीघ्र से मंजिल तक पहुंचने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। जी हां !! हम बात कर रहे हैं परिवहन संसाधनों के विकसित माध्यमों की जो हमें स्कूटी से लेकर हैवी ट्रक तक के रूप में उपलब्ध हैं, जिनमें दुर्घटनाओं की संख्या, मृतकों, घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जिनके कारकों मेंमुख्य रूपसे तेजगति,लापरवाही नशे में गाड़ी चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन कर मौत की भेंट चढ़ा जा रहा है, जिसमें मानवीय व यातायात गलतियों के साथ-साथ परिवहन विभाग की भी समकक्ष रूप से जिम्मेदार है, जिसकी चर्चा हम नीचे करेंगे। चूंकि दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को जारी भारतमें सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 में 4.61 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं 1.68 लाख से अधिक मृत्यु और 4.43 लाख से अधिक घायलों के अधिकृत आंकड़ेदर्शाए गए हैं जिसनें एक बार फिर डरा दिया है कि, इतना बड़ा कंट्रोलर यातायात विभाग के होते हुए इतनी बड़ी दुर्घटनाएं कैसे हो गई। मैं अपनी छोटी सी सिटी गोंदिया तक में ही देखता हूं कि, किस तरह से वाहन चालक रेड लाइट क्रॉस करते हैं बिना हेलमेट, ट्रिप-चौपाल सीट, बिना हेलमेट, पीयूसी के गाड़ी चलाना 10-15 साल के बच्चों द्वारा ट्यूशन पर गाड़ी ले जाना सहित अनेक बातों से यातायात अधिकारियों की धज्जियां उड़ाई जाती है और स्टाफ देखते रहता है या फिर मलाई खाने में मस्त रहकर चुप रहता है। यहां लोग बिंदास कहते हैं कि क्या होगा जी 100-500 दे देंगे, चला देंगे काहे का चालान! और काहे की पनिशमेंट! बस!! यही क्रम मेरा मानना है कि पूरे देश में शुरू है, जिसका परिणाम इस रिपोर्ट 2022 में देखने को मिल रहा है। इसलिए इसे रोकने उच्च स्तरीय शासकीय कढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक जन जागरणअभियान चलाना होगा। हर नागरिक को यातायात अधिनियमों के प्रति अपनी जवाबदेही समझनी होगी, हर ट्रैफिक सिपाही को मलाई से तौबा कर ईमानदारी का चोलाउ ओढ़ना होगा, हर खाकी को ईमानदारी से एक्शन लेना होगा, जिसके परिणाम हम आगे अगले साल आने वाली सड़क दुर्घटनाऐ रिपोर्ट 2023 में अपनी सफलताओं का रिजल्ट देख सकते हैं, यानि जीरो एक्सीडेंट जो हमारे पुराने सुखी जीवन का द्वारा होगा! चूंकि भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 के भयानक आंकड़े हमारे सामने हैं इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारकों का समाधान करने व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की तात्कालिक आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम 31 अक्टूबर 2023 को जारी भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 की करें तो, रिपोर्ट के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) द्वारा कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें 1,68,491 लोगों ने जान गंवाई और 4,43,366 लोग घायल हो गए। पिछले वर्ष की तुलना में दुर्घटनाओं में 11.9 प्रतिशत, मृत्यु में 9.4 प्रतिशत और चोटों में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट इन दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारकों का समाधान करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की तात्कालिकता पर बल देती है, जिसमें तेज गति, लापरवाही से गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना और यातायात नियमों का अनुपालन न करना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार यह महत्वपूर्ण है कि हम प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करें, ड्राइवर शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाएं और सड़कों और वाहनों की स्थिति में सुधार करने में निवेश करें। भारत में सड़क दुर्घटनाएँ 2022 प्रकाशन सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और हितधारकों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है। यह सड़क दुर्घटनाओं के विभिन्न पहलुओं, उनके कारणों, स्थानों और सड़कउपयोगकर्ताओं की विभिन्न श्रेणियों पर उनके प्रभावों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। रिपोर्ट उभरते रुझानों, चुनौतियों और मंत्रालय की सड़क सुरक्षा पहलों का भी उल्लेख करती है।सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत में सड़क दुर्घटनाएँ-2022 पर वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट एशिया प्रशांत सड़क दुर्घटना डेटा(एपीआरएडी) आधार परियोजना के अंतर्गत एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यू एन ई एस सी एपी) द्वारा प्रदान किए गए मानकीकृत प्रारूपों में कैलेंडर वर्ष के आधार पर राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस विभागों से प्राप्त डेटा/जानकारी पर आधारित है। मंत्रालय सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत उपाय कार्यान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय सड़क उपयोगकर्ता व्यवहार, सड़क बुनियादी ढांचे, वाहन मानकों, यातायात नियमों को लागू करने और दुर्घटना की रोकथाम में प्रौद्योगिकी की भूमिका जैसे विभिन्न पहलुओं पर भी कार्य कर रहा है। चूँकि सड़क दुर्घटनाएँ प्रकृति में बहु-कारणीय होती हैं, इसलिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों की सभी एजेंसियों के ठोस प्रयासों के माध्यम से समस्याओं को कम करने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता होती है। मंत्रालय ने विभिन्न अन्य संबंधित संगठनों के साथ-साथ हितधारकों के साथ मिलकर शिक्षा, इंजीनियरिंग (सड़क और वाहन दोनों), प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल सहित सभी 4ई पर ध्यान केंद्रित करते हुए सड़क सुरक्षा के मुद्दे का समाधान करने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति तैयार की है।इसके अलावा, मंत्रालय आधुनिक परिवहन प्रणालियों के कार्यान्वयन, सड़क सुरक्षा ऑडिट और वैश्विक सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों से सीखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसी पहलों में सक्रिय रूप से शामिल है। सड़क दुर्घटनाओं से निपटने के लिए वास्तविक समय डेटा विश्लेषण और स्वचालित वाहन निरीक्षण केंद्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ई-डीएआर) जैसी पहल भी चल रही हैं।

साथियों बात अगर हम सड़क दुर्घटना के कारकों की करें तो, भारतीय सड़कों पर तेज रफ्तार अभी भी जान लेने वाली सबसे बड़ी कारण बनी हुई है। 2022 में हुई लगभग 75 प्रतिशत दुर्घटनाओं का कारण यही है। सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों के पीछे गलत साइड ड्राइविंग भी सबसे बड़े कारणों में से एक है, जिसका योगदान लगभग छह प्रतिशत है। नशे में गाड़ी चलाना और गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल दो अन्य बड़े कारण हैं, जो भारत में चार प्रतिशत से ज्यादा सड़क दुर्घटनाओं में योगदान करते हैं। सीट बेल्ट और हेलमेट नहीं पहनने से इतनी मौत बुनियादी सड़क सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के कारण भी पिछले साल भारत में लगभग 70, हज़ार लोग मारे गए। वाहन में बैठने वाले सभी लोगों के लिए सीटबेल्ट अनिवार्य होने का नियम लागू करने के बावजूद, 2022 में इसे न पहनने के कारण लगभग 17, हज़ार लोगों की जान चली गई। हेलमेट न पहनने के कारण 50, हज़ार से ज्यादा दोपहिया वाहन चालकों की भी मौत हो गई। किन सड़कों पर कितनी दुर्घटनाएं सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से आधे से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं हाईवे और एक्सप्रेसवे पर हुई हैं। लगभग 33 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं एक्सप्रेसवे सहित नेशनल हाईवे पर हुई हैं। जहां गाड़ी उच्चतम स्पीड लिमिट के साथ चलाई जा सकती हैं। स्टेट हाईवे पर भी पिछले साल एक लाख से ज्यादा दुर्घटनाएं हुई। जो भारत में सभी दुर्घटनाओं का लगभग 23 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 40 प्रतिशत दुर्घटनाएं अन्य सड़कों पर होती हैं।

साथियों बात अगर हम शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात विभाग द्वारा जवाबदेही को अनदेखी करने की करें तो, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की संख्या बढ़ रही है। इससे आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं और पुलिस इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं कर रही। सांस में अल्कोहल की मात्रा का पता लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस के पास दो ब्रेथ एनालाइजर है, लेकिन उसका भी उपयोग नहीं होता। ब्रेथ एनालाइजर कई साल पहले मिली है। शुरूआत में इस मशीन से सांस में एल्कोहल की मात्रा जांच की गई लेकिन उसके बाद ट्रैफिक पुलिस इस ओर ध्यान नहीं दे रही। शराब के नशे में वाहन चलाना खतरे से खाली नहीं है।इससे जहां खुद पर खतरा है वहीं सामने वाले के लिए भी यह घातक हो सकता है। शाम के बाद शराब के नशे में ऐसी घटनाएं अधिक हो रही हैं। शराब के नशे में भी वाहन चलाने वाले खतरा साबित हो रहे हैं। जानकारों की मानें तो अधिकांश हादसे शराब के नशे के कारण हो रहे हैं। नशे में होने के कारण गाड़ी पर कंट्रोल नहीं रहता और दुर्घटना होते देर नहीं लगती। ऐसे लोग कभी खुद तो कभी दूसरों के लिए काल साबित हो रहे हैं। शराब पीकर वाहन चलाना गैरकानूनी है। इस तरह के चालकों के खिलाफ दो साल की सजा और दस हजार रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। ट्रैफिक पुलिस को ऐसे चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है। जांच के लिए ट्रैफिक पुलिस के ब्रेथ एनालाइजर भी है, लेकिन इनका उपयोग नहीं हो रहा। दबी जुबान से पुलिसवाले यह कहते हैं कि ऐसे चालकों को पकड़ने से झमेला है। उन्हें बाद में अस्पताल ले जाकर मुलाहिजा भी करवाने सहित कई काम होते हैं। पुलिस वाले एक शराबी के फेर में पड़कर बाकी काम चौपट नहीं करना चाहते। ब्रेथ एनालाइजर का बीच-बीच में शराबी वाहन चालकों का जांच किया जाता है। अभी त्यौहारी सीजन में जल्द शराबी वाहन चालकों का ब्रेथ एनालाइजर से जांच करने का अभियान चलायाजाना ज़रूरी है। आशा है इस पर पूरे भारत की पुलिस ध्यान देगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेष विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 जारी - हादसों में मृतकों घायलों की संख्या ने डराया।आओ तेज गति, लापरवाही व नशे में गाड़ी चलाना छोड़ यातायात नियमोंका अनुपालन करें।दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारकों का समाधान करने व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की तात्कालिक आवश्यकता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

जिंदगी चल रही है

द्वार पर खड़ी
गाय ने कहा-
दूध देना बंद हुआ
घर से निकाल दिया
झूठन कचरा खाती हूं
जिंदगी चल रही है।
कुत्ते ने कहा-
मेरी स्वामी भक्ति पर
संदेह हो गया था
घर निकला मिला है
मारा-मारा फिरता हूं
जिंदगी चल रही है।
मजदूर ने कहा-
मेहनत के चलते
काम मिलता है
रूखी-सूखी खाकर
पेट भरता है
जिंदगी चल रही है।
पंछी ने कहा-
नव निर्माण चलते
पेड़ कट रहे हैं
तिनका- तिनका
बिखरा घोंसला
नीले आसमान तले
जिंदगी चल रही है।
मछली ने कहा-
जल प्रदूषण बढ़ते
जीना दूभर है
अंतिम सांस तक
जिंदगी चल रही है।
मेंढक ने कहा-
धरती के जहरीले
मानवों से भय लगा
कूदा जान खातिर
कूप मंडूक बना
जिंदगी चल रही है।
चिड़िया ने कहा-
गगन विहार करते
मोबाइल टावर के
आकर्षण से
नष्ट होती प्रजाति
दर्द भरी चहचाहट
जिंदगी चल रही है।
हाथी ने कहा-
कैदी बना, हिंसा का
शिकार हो रहा हूं
हाथी के दांत
खाने-दिखाने के
और हो गये हैं
जिंदगी चल रही है।
मनुष्य ने कहा-
स्वार्थी, हिंसक लालची
बन गया हूं
लोकहित का मुखौटा
लगाता हूं, मजे में
जिंदगी चल रही है।

अनिल कौशिक
क्योड़क, कैथल
हरियाणा

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तू कोशिश करके तो देख

कोई कैसे नहीं आएगा,
प्यार से बुलाकर तो देख,
तू कोशिश करके तो देख।
कोई कैसे ठोकर खाएगा,
हाथ बढ़ा कर तो देख,
तू कोशिश करके तो देख।
कोई कैसे नहीं मानेगा,
प्यार से मना कर तो देख,
तू कोशिश करके तो देख।
कोई कैसे नहीं समझेगा,
प्यार से समझा कर तो देख,
तू कोशिश करके तो देख।
कोई कैसे नहीं संभलेगा,
सहारा देकर तो देख,
तू कोशिश करके तो देख।
कब तक रहेगा अंधेरा,
एक दिया जलाकर तो देख,
तू कोशिश करके तो देख।

श्यामसुंदर साहू
बोड़रा मगरलोड
धमतरी
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

यह डर

अपनी छाया को देखते हुए
आपको डर है कि क्या आपको
उस डर की ज़रूरत है?
यही सवाल है।
आप ऐसे ही हैं।
यदि आप डरते हैं तुम्हें देखते हुए
आप डरते हैं अर्थ बन जाएगा
आप खुद साहसपूर्वक
सामना करना
अपनी छाया को देखते हुए
आपको डर नहीं लगता...
कपड़े के साथ सीधे खड़े होना
आप खुद जीत।।।।

ओट्टेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा आयोजित जुगलबंदी

मुजफ्फरपुर,01 नवम्बर 2023। एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा 31 अक्टूबर 2023 रात 8:30 बजे जुगलबंदी का आयोजन किया गया। जिसमें भारत के अलग अलग जगहों के छः लेखक एवं लेखिका नें भाग लिया। यह जुगलबंदी व्हाट्सएप ग्रूप पर आयोजित किया गया था ओडियों के माध्यम सें दों लेखकों के बीच जुगलबंदी हुई। सबसें पहले छत्तीसगढ़ सें रमेश साहू और आगरा सें प्रियंका कटारिया जी का मंच पर स्वागत किया गया, जुगलबंदी के लिए इन्हें शब्द छात्र/छात्रा दिया गया था। 5 मिनट तक लगातार जुगलबंदी के बाद। ग्रूप में उपस्थित श्रोतागण और आयोजक मंडल नें छत्तीसगढ़ के रमेश साहू जी कों विजेता घोषित किया। दूसरी जुगलबंदी टीम में महाराष्ट्र के डॉ शारदा प्रसाद दुबे और उत्तरप्रदेश की हरमिन्द कौर जी का मंच पर स्वागत किया गया, इन्हें शब्द संविधान दिया गया। 5 मिनट तक लगातार जुगलबंदी के बाद। ग्रुप में उपस्थित श्रोतागण और आयोजक मंडल नें उत्तरप्रदेश की हरमिन्द कौर जी कों विजेता घोषित किया। इसी तरह तीसरी टीम उत्तरप्रदेश सें निखिल श्रीवास्तव और महाराष्ट्र सें अलका जैन आनंदी जी का मंच पर स्वागत किया गया। इन्हें शब्द नफरत दिया गया था। 5 मिनट तक लगातार जुगलबंदी के बाद। ग्रुप में उपस्थित श्रोतागण और आयोजक मंडल नें महाराष्ट्र की अलका जैन आनंदी जी कों विजेता घोषित किया। एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा सभी कों सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं दी गई।

लघुकथा संतुष्टि

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

वाह ! क्या आनंद ही आनंद है। ऐसा लग रहा है कि यहीं ठहर जाऊँ कुछ दिनों के लिए। चारों तरफ हरियाली है। सुंदर-सुंदर फूलों के बगीचे ! ये सुंदर वादियाँ ! नदियाँ ! झरने ! मन के लिए ये काफी सुकूनदायक हैं। ट्रिन-ट्रिन. ! मोहन के द्वारा कॉल उठाते ही..रमा पूछती है कि सुनिये जी, संतुष्टि मिली क्या ? मोहन का जवाब था ,अभी तक तो नहीं मिली। जब मिलेगी तो जरूर बताऊँगा। कहते हैं ना....जब इंसान की शादी हो जाती है और पत्नी को कभी घूमाने साथ में न ले जाया जाये ,तब तक शांत नहीं बैठती। मोहन का भी यही हाल था।

मोहन और श्याम छत्तीसगढ़ से बाहर गुजरात घूमने गए थे।

भाई मोहन ! इससे पहले तो तुम बड़े खुश नजर आ रहे थे। बड़े-बड़े रेस्टोरेंट में तूने डिनर किया। समुद्र की लहरों ने तो मन मोह लिया। एक से बढ़कर एक कह रहे थे। यहीं रुकने का मन भी कर रहा था तुम्हारा। अब क्या हुआ भाई ? तुम्हें संतुष्टि नहीं मिली क्या ? और ये क्या भाभी जी का कॉल बार-बार क्यों काट रहे हो ? श्याम ने कहा। मोहन तभी तपाक से बोला- भाई श्याम तुम्हें संतुष्टि मिली क्या...?

हाँ... हाँ...। दोस्त मुझे तो संतुष्टि मिल गई।

कहाँ पर है भाई संतुष्टि, मुझे भी बता दे यार ? तेरी भाभी मेरा प्राण खा रही पूछ-पूछ के। पूरे गुजरात में पता लगा लिया लेकिन संतुष्टि मिली ही नहीं। सब मुझे पागल समझ रहे हैं।

हाँ, तू पागलों जैसा सवाल करेगा तो क्यों न समझेंगे ? मुँह बनाते हुए श्याम बोला।

मोहन ! कैसी बातें कर रहा है तू। हर जगह संतुष्टि है; सुकून है; तू महसूस तो कर मेरे यार।

ट्रिन-ट्रिन..! अरे मोहन कॉल तो उठा, भाभी जी का होगा।

नहीं भाई श्याम फिर वो पूछेगी, संतुष्टि मिली क्या करके ? मैं क्या जवाब दूँगा, जब तक मुझे नहीं मिलेगी, मैं कॉल नहीं उठाऊँगा।

अरे पागल ! तो बोल देना, मिल गई संतुष्टि करके। बहुत मजा आ रहा है करके। देख तू नहीं बोलेगा तो मैं बोल दूँगा कि तू झूठ बोल रहा है।

नहीं-नहीं....। तू भी पागल हो जायेगा। भाई तेरी भाभी सुकून वाली संतुष्टि की बात नहीं कर रही है।

तो फिर....?

संतुष्टि फाइव स्टार रेस्टोरेंट का नाम है। वहाँ की रसमलाई बहुत ही फेमस है। पर इस गुजरात में तो संतुष्टि नाम का कोई स्टार रेस्टोरेंट नहीं है। श्याम का मुँह खुला का खुला रह गया।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

देश का गौरव...हरियाणा

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

इस समय
देश के 28 राज्य तथा 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं! उन सब का अपना अपना महत्व है लेकिन हरियाणा राज्य की अपनी विशेषता के कारण यह और राज्यों के लिए रोल मॉडल का काम कर सकता है।

हरियाणा राज्य की स्थापना पहली नवंबर, 1966 को हुई थी। इसी दिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़, अलग से पंजाब, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश की भी स्थापना हुई थी। हरियाणा का सही अर्थ है ईश्वर का निवास। हरियाणा हरिकेन से भी जाना जाता है। हरियाणा उत्तर भारत में स्थित एक छोटा परंतु महत्वपूर्ण राज्य है इसकी सीमाएं पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के साथ लगती हैं। हरियाणा में रहने वाले अधिकांश लोग जाट है, इसके अलावा यहां पंजाबी, अहीर, सिख, जैन धर्म के लोग आदि भी रहते हैं। लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है जिसमें 70त्न लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। यहां की आबादी का लगभग 90त्न लोग गांवों में रहते हैं।

कहना ना होगा कि शाह आयोग की सिफारिश के आधार पर पंजाब के हिंदी भाषीय क्षेत्रों को अलग करके हरियाणा की स्थापना की गई थी। किसी समय पंजाब का हिस्सा रहे हरियाणा का विकास उपेक्षित रहा जिसकी वजह से राजनेताओं ने अलग हरियाणा राज्य की मांग की जो कि पहली नवंबर, 1966 को पूरी हो गई और अलग से हरियाणा राज्य अस्तित्व में आया। हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री, पंडित भगवत दयाल शर्मा थे। हरियाणा की मुख्य राजनीतिक पार्टियां कांग्रेस, भाजपा, इंडियन नेशनल लोकदल, तथा जननायक जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी आदि हैं। हरियाणा की मुख्य फसलें गेहूं, चावल, गन्ना, कपास, ज्वार, बाजरा आदि हैं। हरियाणा खाद्यान्न तथा दुग्ध उत्पादन में नंबर वन है।

सोनीपत, पानीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक ,झज्जर इस प्रदेश के मुख्य औद्योगिक केंद्र हैं जहां पर ट्रैक्टर, सर्जिकल कपास, मारुति कारें, जैव कोयला, स्टील फर्नीचर, सूती धागे, पीवीसी, हथकरघा, चावल मिलें आदि के उद्योग हैं।

हरियाणा पेट्रोलियम उत्पाद इलेक्ट्रॉनिक का सामान आदि का निर्यात करता है। बेशक हरियाणा का क्षेत्रफल देश के क्षेत्रफल का 1.37 प्रतिशत है तथा जनसंख्या 2त्न है परंतु फिर भी देश की अर्थव्यवस्था में इसका प्रमुख स्थान है। खाद्यान्नों के मामले में हम न केवल आत्मनिर्भर हैं बल्कि केंद्रीय पूल में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका है। हरियाणा प्रदेश को सेना में पीढ़ी दर पीढ़ी, परिवार दर परिवार जवान देश की रक्षा हेतु भेजने का भी गर्व है। हरियाणा का प्रादेशिक खेल कुश्ती है। इसके अलावा इस क्षेत्र के लोग मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, हॉकी आदि में भी किसी से पीछे नहीं। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा में हरियाणा का अग्रणी योगदान होता है। अभी-अभी संपन्न हुए एशियाड खेलों में भारत ने जो 107 मेडल जीते उनमें 33 मेडल तो अकेले हरियाणा ने ही जीते जिन में बेटों के मुकाबले में बेटियां बाजी मार गई। क्रिकेट के खेल में भी खिलाड़ियों की दिलचस्पी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

हरियाणा में 75.55 प्रतिशत लोग पढ़े लिखे हैं जिनमें महिलाओं के मुकाबले में पुरुषों का प्रतिशत ज्यादा है। हरियाणा में 41 यूनिवर्सिटी हैं, जिनमें 13 सरकारी, 20 प्राइवेटऔर 6 डीम्ड है. चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी है! कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है! रोहतक, खानपुर तथा झज्जर में चिकित्सा के लिए मेडिकल कॉलेज है। इसके अलावा हर जिले में एक सिविल हॉस्पिटल है तथा ग्रामीण क्षेत्र में प्रायमरी हेल्थ सेंटर है।

हरियाणा में बहुत सारे सूफी संत, महात्मा, मुनि हो चुके हैं। हरियाणा में तीर्थ का तीर्थराज कुरुक्षेत्र है जहां पर महाभारत के युद्ध के समय ज्योति सर में कृष्ण जी ने अर्जुन को गीता उपदेश दिया था। कुरुक्षेत्र के साथ ही पेहोवा में कार्तिकेय मंदिर है जहां पर लोग अपने पितरों के पिंडदान के लिए आते हैं। कुरुक्षेत्र में ब्रह्म सरोवर है जहां कुंभ स्नान करने से मुक्ति प्राप्त होने की बात कही जाती है, कुरुक्षेत्र में ही प्रसिद्ध बिरला मंदिर है, यहीं पर ही मारकंडे तीर्थ शाहाबाद, शिवजी से संबंधित सन्निहित तीर्थ, थानेसर, वाल्मीकि आश्रम थानेसर, स्कंद पुराण से संबंधित प्राचीन तीर्थ कुरुक्षेत्र गीता भवन, बाणगंगा कुरुक्षेत्र कालका देवी मंदिर, पंचकूला, भीमा देवी मंदिर पिंजोर, शीतला माता मंदिर, गुरुग्राम, सोना गुरुग्राम में गर्म पानी का चश्मा, भूतेश्वर मंदिर जींद, चंडी मंदिर, चंडीगढ़, अस्थल बोहर, रोहतक, पुंडरीक सरोवर ,कैथल, चामुंडा देवी मंदिर, नारनौल आदि अनेक तीर्थ स्थान है जहां जाकर मन को बहुत शांति मिलती है। हरियाणा में हिंदू, सिख, मुसलमान, नाथ संप्रदाय के अनुयाई आदि मिलजुल कर सौहार्द पूर्ण ढंग से मिलजुल कर रहते हैं। भारत में अनेकता में एकता की जो बात कही जाती है, हरियाणा उसकी जीती जाती मिसाल है।

हरियाणा के लोग बहुत मेहनती, प्रशिक्षित, अनुभवी तथा बहादुर है। विदेशी आक्रांतों को रोकने के लिए पानीपत की तीन लड़ाइयां हो चुकी हैं, इतिहास इसका गवाह है। हरियाणा के बारे में कहावत मशहूर है... जहां दूध दही का खाणा, वही है हरियाणा।

इस सारे के बावजूद भी हरियाणा के साथ सब कुछ ठीक-ठाक हो, ऐसा नहीं कहा जा सकता। हरियाणा में बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, लड़कियों का कम उम्र में विवाह हो जाना, ऑनर किलिंग, पेयजल की समस्या, लिंग अनुपात का लड़कियों के खिलाफ जाना आदि समस्याएं हैं जिन्हें यथाशीघ्र हल किए जाने की जरूरत है। जितनी तेजी से हरियाणा ने पहली नवंबर को बने अन्य राज्यों के मुकाबले में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक तथा चिकित्सा संबंधी विकास किया है, वह अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय होना चाहिए।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

लघुकथा :भिन्नता

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

मनोविज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर शिखर कोल जी ड्राइंगरुम में सोफे पर बैठकर एक राष्ट्रीय दैनिक अखबार में प्रकाशित खबरों की जानकारी ले रहे थे। प्रथम पृष्ठ में देश की दूषित राजनीतिक प्रणाली पर आधारित खबरों को पढ़ते हुए उनकी नजर कुछ ऐसे शीर्षकों पर पड़ी कि वे हतप्रभ रह गये। वे पढ़ते जा रहे थे कि एक सड़क के किनारे चिंदी में लिपटी एक नवजात बच्ची की लाश मिली। तेरह वर्षीय बालिका का सामूहिक बलात्कार किया गया। अखबार के पन्ने उलटना उन्होंने जारी रखा। बीस वर्षीय विवाहिता को एक लोभी पति ने दहेज के लिए जिंदा जलाकर हैवानियत का परिचय दिया; जैसी खबरें उन्हें पढ़ने को मिली।

प्रोफेसर कोल जी को अखबार के अंतिम पृष्ठ में पढ़ने को मिला कि एक युवक ने अपनी माँ की उम्र की औरत को अपने हवस कि शिकार बनाया। एक बेटे ने सिर्फ एक एकड़ जमीन के लिए अपनी माँ और इकलौती बहन की टंगिया मारकर हत्या कर दी। उनकी नजरें अखबार की बारीक अक्षरों पर पड़ी ही थी कि उन्हें जयघोष का स्वर सुनाई दिया। अखबार को पकड़े हुए खिड़की से झाँककर देखा। बच्चे, जवान और बूढ़े सभी जयनाद कर रहे थे- दुर्गा मैया की जय, काली माई की जय, माँ बम्लेश्वरी की जय।

लोग दुर्गा व काली की प्रतिमा पर पुष्पों की वर्षा कर रहे थे। रंग और गुलाल से वातावरण रंगीन हो रहा था। प्रतिमा-विसर्जन की यह छवि देखकर प्रोफेसर कोल जी उलझन में पड़ गये। उन्हें अखबार की पंक्तियाँ रह-रहकर याद आने लगी। तीस वर्ष तक मनोविज्ञान के प्रोफेसर रहे शिखर कोल जी औरत के विभिन्न रूपों के प्रति लोगों के व्यवहार की भिन्नता को समझ नहीं पा रहे थे।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

प्रधानमंत्री बनने के बाद 7 नवंबर को पहली बार सूरजपुर में दहाड़ेंगे नरेंद्र मोदी

» दूसरी बार भाजपा प्रत्याशियों को आशीर्वाद देने पहुंचेंगे सूरजपुर के विश्रामपुर

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन सूरजपुर जिले के विश्रामपुर मैं दिनांक 7 नवंबर मंगलवार को होने जा रहा है।

गौरततलब है कि मोदी जी सूरजपुर जिले के अंतर्गत आने वाली तीनों विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी, लक्ष्मी राजवाड़े, श्रीमती शकुंतला पोर्ते के पक्ष में आमसभा को संबोधित करेंगे। इस संबंध में भाजपा के जिला मीडिया सहप्रभारी संस्कार अग्रवाल ने बताया कि सोमवार की देर शाम छत्तीसगढ़ केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा सूरजपुर जिले में मोदी जी के विशाल आमसभा कार्यक्रम के संबंध में हरी झंडी की सुचना मिलते ही भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल के नेतृत्व में संगठन के सभी पदाधिकारी सोमवार की देर रात से ही मोदी जी के आगमन की तैयारी में जुट गए है तो वही मंगलवार की सुबह संभावित कार्यक्रम स्थल विश्रामपुर स्थित अय्यप्पा मैदान में विधानसभा चुनाव प्रवासी संभागीय प्रभारी अनंत ओझा की विशेष उपस्थिति में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला संगठन की विशेष बैठक एवं कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। वही दूसरी और भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने इस संबंध में बताया की भारत के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पूर्व भी सरगुजा संभाग के अंबिकापुर एवं सूरजपुर जिले के मध्य में स्थित विश्रामपुर जो सूरजपुर जिले मुख्यालय से लगे महज 12 किलोमीटर में स्थित है जहां अय्यप्पा ग्राउंड में मोदी जी प्रधानमंत्री बनने से पूर्व लोकसभा संसदीय चुनाव प्रचार के दौरान आमसभा को संबंधित करने पहुंचे थे। भाजपा जिला अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि सूरजपुर जिले में मोदी का आगमन और उनका कार्यक्रम होना हम सब सूरजपुर जिला वासियों के लिए बड़ा ही सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि देश के मुखिया प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी प्रधानमंत्री बनने के पश्चात पहली बार सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले सूरजपुर जिला मां कुदरगढ़ी की पावन धरती पर हम सभी सरगुजा अंचल के वासियो को आशीर्वाद देने आगामी 7 नवंबर मंगलवार को आ रहे हैं और पुरे सूरजपुर जिला संगठन की और से उनका शत-शत स्वागत वंदन अभिनंदन करते हुए सभी क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मोदी के कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील किया है।

कार्यक्रम स्थल पर अंतिम मुहर बाकी

जंबूरी ग्राउंड दतीमा, एकता स्टेडियम ग्राउंड् विश्रामपुर या रेवती रमण कॉलेज स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर में होगी सभा

इस दौरान सरगुजा संभागीय प्रवासी चुनाव प्रभारी अनंत ओझा, प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव, भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, प्रेमनगर विधानसभा प्रभारी अर्जुन सिंह, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, वरिष्ठ भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल जिला महामंत्री राजेश अग्रवाल महलवाला, मुरली मनोहर सोनी, जिला कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहू जिला उपाध्यक्ष पुष्पा सिंह अनूप सिंह जिला मंत्री संदीप अग्रवाल, राजेश यादव, सितीकांत सवाई, राघवेंद्र दुबे, कृष्ण कुमार गोयल, सतनारायण जायसवाल, दीपेंद्र सिंह चौहान, अशोक अग्रवाल, कमलेश सिंह, मनी बग्गा, राजेश साहू, युवा मोर्चा जिला मंत्री संस्कार अग्रवाल सहित काफी संख्या में भाजपा नेतागण उपस्थित रहे.

सरगुजा राजपरिवार की बहू त्रिशाला सिंहदेव
गांव-गांव जाकर महिलाओं से सीधे कर रही हैं संपर्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव की पत्नी एवं सरगुजा राजपरिवार की बहूरानी श्रीमति त्रिशाला सिंहदेव गांव-गांव में जाकर महिलाओं से सीधे संपर्क कर चुनाव प्रचार में लगी हुई है। इस सिलसिले में वे ग्राम मानिकप्रकाशपुर गयी जहॉ वे महिलाओं के समूहों से रु-बरु हो उनसे चर्चा कीं। एक ही दरी पर गांव की महिलाओं के साथ जमीन पर बैठकर की गयी इस चर्चा के दौरान भारी संख्या में महिलाएं मौजूद थी। इस दौरान महिलाओं से खेती किसानी, गांव के गोठान, गोबर खरीदी, भविष्य में धान की कीमतों के साथ ही साथ प्रदेश सरकार की उन योजनाओ पर भी चर्चा की जो महिलाओ पर केंद्रित हैं। गांव की महिलाएं जहां राजपरिवार की बहू के जमीन पर उनके साथ बैठकर हो रही चर्चा से अचंभित थी वहीं वे श्रीमति

त्रिशाला सिंहदेव के इस व्यवहार से उत्साहित भी थी। ग्राम पंचायत मानिकप्राकाशपुर में इस चर्चा की शुरुआत के पहले छत्तीसगढ स्थापना दिवस के अवसर पर श्रीमति त्रिशाला सिंहदेव ने छत्तीसगढी महतारी के चित्र पर माल्यार्पण भी किया। इस चर्चा के दौरान उनके साथ सीतापुर की जनपद पंचायत सदस्य श्रीमति स्नेहा सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता, सैयद अख्तर हुसैन, दुर्गेश गुप्ता,जनपद पंचायत सदस्य गंगा राम, सरपंच अजीत एवं बडी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे।

छठ पूजा को लेकर घुनघुट्टा श्याम सेवा समिति की हुई बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापर,01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

आगामी छठ पूजा को लेकर घुनघुट्टा श्याम सेवा समिति की बैठक मंगलवार को घुनघुट्टा श्याम सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस वर्ष घुनघुट्टा छठ घाट पर पिछले वर्ष की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं को शामिल होने का अनुमान लगाया जा रहा है। समिति के सदस्यों द्वारा घाट की लंबाई को बढ़ाने, मरम्मत, साफ-सफाई और अम्बिकापुर शहर से आने वाले वाहनों के पार्किंग को लेकर विशेष व्यवस्था पर जोर दिया गया। छठ पूजा के लिए अंबिकापुर, करजी और सोहगा में घाट कूपन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। छठ घाट और पुल पर लाइट की व्यवस्था की जाएगी। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी गंगा आरती का विशेष आयोजन कराने का निर्णय लिया गया है। बैठक में छठ पूजा के संरक्षण राकेश गुप्ता, अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, संजीव कश्यप, नारद गुप्ता, उत्तम राजवाड़े, प्रेम कुशवाहा, आदर्श कुशवाहा, संदीप, राकेश सोनी,निलेश कश्यप, सत्येंद्र कुशवाहा, मुकेश गिरी, नीरज गुप्ता, विपिन कुशवाहा, आशीष कुशवाहा मौजूद रहे।

मवेशी बांधते समय ग्रामीण पर भालू ने किया हमला,मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

मवेशी चराकर घर लौटे वृद्ध ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया। वह किसी तरह जान बचाकर अपने पुराने घर पर पहुंचा और घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिले के चंदौरा थाना अंतर्गत ग्राम चिकनी निवासी

भरथरी 60 वर्ष का गोड़ापीपर में नया मकान है। यहां से मवेशी लेकर चराने के लिए वह 31 अक्टूबर को गया था। मवेशी को चराने के बाद शाम को नए घर के पास पहुंचा और भैंस को बांध रहा था। इस दौरान पहले से पास ही छिपे भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू ने वृद्ध के जबड़ा, गाल और पेट को नोच दिया। इसके बाद भी वह भालू से संघर्ष करते किसी तरह मौके से निकल कर भागा और पुराने घर तक पहुंच गया। लहूलुहान हाल में उसे देख स्वजन ओडगी स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर वृद्ध ग्रामीण को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, यहां देर रात 2.40 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के स्वजन का पोस्टमार्टम कराया है। इसकी जानकारी क्षेत्र के वन अमले को भी दी गई है।

सिर में था चोट का निशान, डॉक्टर ने मृत घोषित किया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

शहर के सतीपारा निवासी अजय सोनी पिता स्व. राजा प्रसाद 33 वर्ष को परिवार के सदस्य घायल अवस्था में मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्वजन बाथरूम में गिरने से सिर में चोट आने की संभावना जता रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक मृतक अजय सोनी अपने भाई दिनेश सोनी के साथ घर में अलग कमरे में सोया था। रात लगभग डेढ़ बजे वह लघुशंका के लिए बाथरूम गया और आकर सो गया था। सुबह लगभग छह बजे भाई दिनेश उसे उठाने की कोशिश किया लेकिन वह नहीं उठा। इस दौरान दिनेश की नजर भाई के सिर में पीछे जख्म पर पड़ी। अचेत अवस्था से बाहर नहीं निकलने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए यहां जांच के बाद चिकित्सक ने सुबह 7.25 बजे उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

भाजपा प्रत्याशी राजेश अग्रवाल ने शहर के कई क्षेत्रों का किया भ्रमण

- संवाददाता -
अंबिकापर,01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

भाजपा अंबिकापुर विधानसभा प्रत्याशी राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर शहर में चुनाव प्रचार की शुरुआत मंगलवार से कर दी है। उन्होंने कंपनी बाजार, बौरीपारा तथा केनाबांध मोहल्ले में जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की। जनसंपर्क दौरान मिल रहे अपार जनसमर्थन से अभिभूत होकर राजेश अग्रवाल ने कहा कि वे चुनाव जरूर जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि जनता ने जिस उम्मीद के साथ पिछले चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को चुना था उनकी उम्मीदों को गहरा धक्का लगा है। चुनाव जीतने के बाद भी अंबिकापुर विधायक टीएस सिंह देव केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी पाने की जुगत में लगे रहे।

जनता के दुःख दर्द से उनका कोई वास्ता नहीं रहा। उन्होंने कहा कि वे एक सेवक के रूप में जनता की सेवा के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे। बता दें कि भाजपा नगर मंडल अंबिकापुर अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला के मार्गदर्शन में स्थानीय जनसंपर्क अभियान को गति दिया गया है।

इस दौरान भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार बंसल, मंजूषा भगत, मधु चौदहा, विकास पांडेय, जन्मेजय मिश्रा, मनोज गुप्ता, रूपेश दुबे, विद्यानंद मिश्रा, रमेश जायसवाल, अनिल तिवारी, नकुल सोनकर, रिंकू वर्मा, नीलेश सिंह, राजेश सिंह, हरमिंदर सिंह टिन्नी, सर्वेश तिवारी, रवि जायसवाल, मनोज सोनी, शरद सिन्हा, अभिषेक जायसवाल, संजीव सेठ, नीलम राजवाड़े, प्रीति सिंह, प्रियंका चौबे, रवि सोनी, जितेंद्र सोनी, सन्तु सोनी, अनिल जायसवाल, अजय सिंह, हर्ष जायसवाल, अंशुल श्रीवास्तव, प्रकाश मणि त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व गणमान्यजन उपस्थित थे।

हिमांशु जायसवाल को बनाया गया एनएसयूआई का प्रदेश उपाध्यक्ष

- संवाददाता -
अंबिकापर, 01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी विशाल चौधरी के सहमति से प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने हिमांशु जायसवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष

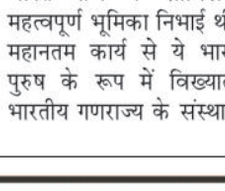

नियुक्त किया है हिमांशु इससे पहले सरगुजा जिलाध्यक्ष के रूप में 8 साल कार्य किया उसके बाद प्रदेश महासचिव बनाया गया जशपुर जिले के प्रभारी के रूप में वहा संगठन का विस्तार किया । छात्रहित में लगातार उनके समस्याओं का निराकरण करते हुए प्रदेश एनएसयूआई ने बड़ी जिम्मेदारी देते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया साथ ही चुनाव में पार्टी को और मजबूत करने को कहा हिमांशु ने इस नियुक्ति के लिए आदरणीय टी एस बाबा, आदि बाबा,प्रदेश प्रभारी विशाल चौधरी प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे,युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा,जिला कांग्रेस कमिटी सरगुजा,एवं इन सभी साथियों का आभार एवम धन्यवाद किया जिन्होंने सदेव उनका साथ दिया।

क्रिकेटर सुनील गावस्कर के हाथों अधिवक्ता डीके सोनी हुए सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापर,01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता डीके सोनी के द्वारा हमेशा न्याय में देरी, भ्रष्टाचार एवं विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा हेतु अनेक उत्कृष्ट कार्य किए जाते रहे हैं। डीके सोनी आम जन के लिए न्याय व्यवस्था को सुदृढ़, सुगम और शीघ्र न्याय प्रदान करने हेतु अपनी संस्था सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से हमेशा जमीनी स्तर पर एवं आरटीआई के माध्यम से स्थिति स्पष्ट कर माननीय उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक सफल और निर्णायक कानूनी लड़ाई भी लड़ते रहते हैं।डीके सोनी द्वारा सरकारी विभागों में हो रहे भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को लेकर अनेकों मामले उठाते रहे हैं, भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुलासा कर दस्तावेजों के आधार पर कार्यवाही कराकर कई भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों के विरुद्ध अपराध भी पंजीबद्ध कराया गया है। प्राईम टाइम रिसर्च मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के चयन समिति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक एवं कानूनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों का चयन किया गया जिसमें सरगुजा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में आरटीआई एवं अन्य कानूनी के माध्यम से लगातार सामाजिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अंबिकापुर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता डी के सोनी को देश के कोने कोने से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं के समक्ष होटल रेसिडेंश ब्लू नई दिल्ली में रविवार को भारतीय क्रिकेटर और पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के कर कमलों से बेस्ट सर्विस एक्सलेंश सोसल एंड आरटीआई एक्टिविस्ट छत्तीसगढ़ का अवॉर्ड दिया गया। दिल्ली के उक्त कार्यक्रम में देश के अलग अलग राज्यों से अलग अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। अधिवक्ता डी के सोनी को उक्त अवार्ड मिलने से उनके शुभचिंतकों सहित अधिवक्ताओं और सोसल जस्टिस प्राप्त करने वालो में हर्ष व्याप्त है। इस मौके डी के सोनी ने यह कहा है कि यह अवार्ड उनके द्वारा किए जा रहे जनहित और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा देता है और भविष्य में आगे अधिक ऊर्जा से तेज गति से सामाजिक और जनहित के कार्य को करने प्राथमिकता दिया जायेगा।

पीजी कालेज में आयोजित की गई एकता दौड़

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया।

भारत के पहले गृह मंत्री रहते हुए सरदार पटेल ने कई देशी रियासतों को भारत संघ में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इनके इस महानतम कार्य से ये भारत के लौह पुरुष के रूप में विख्यात हुए और भारतीय गणराज्य के संस्थापक नेता के रूप में भी गौरवान्वित हुए। इनके इस महानतम कार्य को अविस्मरणीय रखने के लिए प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है ढूइस अवसर पर देश एवं प्रदेश के सभी सरकारी संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में संस्था ने राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया ।

कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर राजीव कुमार ने आरंभ में राष्ट्र की एकता के प्रतीक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल का संक्षिप्त परिचय दिया

। संस्था के प्राचार्य डॉ रिजवान उल्ला ने छात्र- छात्राओं को सरदार पटेल के द्वारा भारत की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए किये गये योगदान को याद करते हुए छात्र छात्राओं को राष्ट्रीय एकता के आदर्श मूल्य को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया एवं राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी।

तत्पश्चात एकता दौड़ का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ रिजवान उल्ला ने हरी झंडी दिखाकर एकता दौड़ को रवाना किया। एकता दौड़ महाविद्यालय प्रांगण से आरंभ होकर बनारस रोड़ होते हुए पुनः महाविद्यालय प्रांगण में आकर समाप्त हुई।

इस कार्यक्रम में भूगोल विभाग से डॉ आर के जायसवाल, रसायन विभाग से प्रोफेसर सरोज तिर्की, विधि विभाग से डॉ माधवेन्द्र तिवारी, वाणिज्य विभाग से डॉ ए के गौर , डॉक्टर शम्पू तिर्की, इतिहास विभाग से डॉ ममता गर्ग, गणित विभाग से डॉ संगीता पांडेय , हिंदी विभाग से डॉ कामिनी, भौतिक शास्त्र विभाग से प्रोफेसर किरण मिंज, क्रीड़ा अधिकारी डॉ संजीव लकड़ा सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम समाप्ति पर कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शशिकला सनमानी ने राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं आभार प्रदर्शन किया ।

CMYK

वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिसॉर्ट में पहली बार मना दिवाली का जश्न,भारत की संस्कृति का किया गया प्रदर्शन

न्यूयॉर्क,01 नवम्बर 2023। रोशनी का पर्व दिवाली हिंदू धर्म के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। दिवाली के मौके पर हर जगह दीपों की जगमगाहट नजर आती है। वैसे तो त्योहार खुशियों और उत्साह का होता है, लेकिन दिवाली में यह उत्साह कई गुना बढ़ जाता है। दिवाली को भारत ही नहीं बल्कि और भी देशों में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। हालांकि, इस साल पहली बार इस त्योहार को फ्लोरिडा के वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिसॉर्ट में भी मनाया गया।

सैकड़ों डांसरों ने भारत की संस्कृति दिखाई

इस दौरान सैकड़ों नर्तकों (डांसर) ने भारत की संस्कृति और विरासत की झलक दिखाई। बताया जा रहा है कि दिवाली के पहले युवा उत्सव की मेजबानी जश्न प्रोडक्शंस ने की थी। इस दौरान, डिज्नी स्प्रिंग्स और डिज्नी के एनिमल किंगडम थीम पार्क में नाच गाना हुआ। यहां देशभर के 400 से अधिक डांसरों ने भाग लिया।

दीपावली मनाना बहुत आनंददायक रहा

जश्न प्रोडक्शंस की संस्थापक जेनी बेरी ने बताया कि तीन दिवसीय डांस फेस्ट में उत्तरी अमेरिका के डांसरों ने भी भाग लिया था। बेरी ने कहा, 'वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिजॉर्ट में पहली बार दिवाली मनाना बहुत आनंददायक रहा। हमने दक्षिण एशियाई डांसरों के साथ इस महत्वपूर्ण त्योहार की खुशी और उत्साह साझा किया। पृथ्वी पर सबसे जादुई जगह में दिवाली का जश्न मनाना वास्तव में एक सपना सच होने जैसा था।'

भारत के इन राज्यों से लोगों ने लिया भाग

26-28 अक्तूबर तक चलने वाले इस फेस्टिवल की शुरुआत डिज्नी स्प्रिंग्स में एक आधिकारिक परेड के साथ हुई, जहां लोगों ने अपना तैयार किया गया नाच दिखाया। डिज्नी के एनिमल किंगडम थीम पार्क में आयोजित डांस फेस्ट में 17 डांस स्कूल और गुजरात, पंजाब, आंध्र प्रदेश सहित भारत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शन शामिल थे।

एक हजार से अधिक लोगों भारतीय संगीत लुत्फ उठाया

जानकारी के मुताबिक, यह फेस्ट अपनी तरह का पहला उत्सव था, जिसने बच्चों को विश्व प्रसिद्ध मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। इस दौरान एक हजार से अधिक अतिथियों ने दीपावली कार्यक्रम के दौरान भारतीय संगीत और वेशभूषा का लुत्फ उठाया।

बीएनपी की राष्ट्रव्यापी नाकाबंदी के पहले दिन चार की मौत,500 से ज्यादा गिरफ्तार

ढाका,01 नवंबर 2023। विपक्ष की राष्ट्रव्यापी 72 घंटे की रेल,सड़क और जलमार्ग नाकाबंदी के पहले दिन पूरे बांग्लादेश में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 500 से अधिक बीएनपी-जमात के लोगों को गिरफ्तार किया गया। देशभर के 14 जिलों में 26 हिंसक झड़पों की खबरें आई, इस दौरान 24 से ज्यादा सार्वजनिक बसों में आग लगा दी गई, जबकि 18 बसों में तोडफ़ोड़ की गई।

28 अक्टूबर को ढाका में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बाद बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता और उनकी पार्टी के दर्जनों सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद जो राजनीतिक अशांति पैदा हुई, वह अब पांच दिनों तक फैल गई है, जिससे मौतें, खून और तबाही मची हुई है। कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। ढाका में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के एक वरिष्ठ विपक्षी नेता और उनकी पार्टी के दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सत्तारूढ़ अवामी लीग ने मुख्य विपक्षी बीएनपी पर सख्ती बरतने का वादा किया और पार्टी के दो शीर्ष नेताओं सहित 500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

जैसे-जैसे अगले चुनाव कार्यक्रम का समय तेजी से नजदीक आ रहा है, मौजूदा स्थिति 2014 के चुनावों से पहले की उस अवधि से भयावह समानता रखती है, जिसमें विपक्ष के बहिष्कार के बीच हिंसक झड़पें हुई थीं। अब तक, सत्तारूढ़ अवामी लीग स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि विपक्षी बीएनपी सरकार को चुनाव के समय सरकार के पक्ष में इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के लिए प्रशासन को पंगु बनाना चाहती है।

भारत समर्थित परियोजनाएं दुनिया के लिए उदाहरण, पड़ोसी से दोस्ती आर्थिक विकास को देती है गति

ढाका,01 नवम्बर 2023। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना संयुक्त रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। जिसके बाद बांग्लादेशी पीएम ने भारत का आभार जताया है, साथ ही कहा कि उनके देश में भारत समर्थित तीन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन ने साबित कर दिया है कि पड़ोसी देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध आपसी आर्थिक विकास को गति दे सकते हैं।

उद्घाटन के बाद शेख हसीना ने कहा कि मेरा मानना है कि यह दुनिया के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। हमने साबित कर दिया है कि पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध देश के विकास को गति देते हैं। मुझे उम्मीद है कि दोनों देशों के लोगों के साझा लाभ के लिए भारत के साथ संबंध लगातार बढ़ते रहेंगे। बांग्लादेश और भारत आपसी सहयोग के माध्यम से आने वाले दिनों में कई सफलताएं हासिल करेंगे, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश और भारत ने हाल के दिनों में आपसी सहयोग से बड़ी सफलता हासिल की है। दोनों देशों की आपसी कोशिशो से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिली है। इसके साथ ही चट्टोग्राम और मोंगला बंदरगाहों के जरिए पूर्वोत्तर भाग के साथ कई भारतीय राज्यों के बीच कनेक्टिविटी स्थापित करने में मदद मिली है। पीएम हसीना ने कहा कि बांग्लादेश ने भारत को चट्टोग्राम और मोंगला बंदरगाहों और चट्टोग्राम हवाई अड्डे का उपयोग करने का अवसर दिया है, इसके जरिए हमने क्षेत्रीय सहयोग की गुंजाइश बनाई है।

पीएम मोदी ने कही ये बात

वहीं,प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि एक बार फिर हम भारत-बांग्लादेश सहयोग की सफलता का जश्न मनाने के लिए जुड़े हैं। हमारे रिश्ते लगातार नई ऊंचाईयां छू रहे हैं। पिछले 9 वर्षों में हमने मिलकर जो काम किया है, वह इससे पहले के दशकों में भी नहीं हुआ था। मोदी ने कहा कि सीमा पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता की बहाली के लिए दोनों देशों के बीच दशकों से लंबित, जमीन सीमा समझौता किया गया और समुद्री सीमा संबंधी मामलों को भी सुलझाया गया।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के लोगों की साझा अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत-बांग्लादेश ने अवसंरचना और संपर्क के विकास पर विशेष बल दिया। पिछले नौ वर्षों में तीन नयी बस सेवाएं और तीन नयी रेल सेवाएं शुरू किए जाने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि साल 2020 से तो भारत-बांग्लादेश के बीच कंटेनर और पार्सल ट्रेन भी चल रही हैं।

युद्ध के 26वें दिन गाजा छोड़कर मिस्र जा रहे विदेशी,पहली बार राफा क्रॉसिंग खोला गया

तेल अवीव,01 नवम्बर 2023 । इस्राइल और हमास के बीच जारी हिंसक संघर्ष में अब तक 9000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले क्षेत्र गाजा पट्टी से विदेशी लोगों के बाहर निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार रफा क्रॉसिंग के माध्यम से युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोग मिस्र में शरण लेने जा रहे हैं।

राफा क्रॉसिंग खोलने का फैसला

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी- एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक बीते 7 अक्तूबर को इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार मिस्र ने राफा क्रॉसिंग खोली है। क्रॉसिंग खोलने का निर्णय गाजा में सबसे बड़े शरणार्थी शिविर- जबालिया पर इस्राइली डिफेंस फोर्सेज के हमले के कुछ घंटों बाद आया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में कम से कम 50 लोग मारे गए।

फलस्तीनी इलाके में जाते दिखे लोग

खबरों के मुताबिक बड़ी संख्या में विदेशी पासपोर्ट धारकों ने बुधवार को युद्धग्रस्त गाजा छोड़ना शुरू कर दिया। खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मिस्र की सीमा से सटे गाजा की दक्षिणी सीमा पर राफा क्रॉसिंग पार कर कितने लोग सुरक्षित जगहों पर जाने में कामयाब रहे। कुछ वीडियो रिपोर्ट्स में घटनास्थल के लाइव फुटेज में लोगों की भीड़ को टर्मिनल के फलस्तीनी हिस्से में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है।

200 से अधिक ट्रकों का मिस्र से गाजा में प्रवेश

इस्राइल-हमास युद्ध के कारण पैदा हुए अभूतपूर्व मानवीय संकट के बीच अत्यंत जरूरी मदद की खेप ले जाने वाले 200 से अधिक ट्रक मिस्र से गाजा में प्रवेश कर चुके हैं। विदेशी लोगों के निकलने का सिलसिला शुरू होने के बावजूद रिपोर्ट्स में बताया गया है कि किसी भी व्यक्ति को प्रभावित क्षेत्र से भागने की अनुमति नहीं दी गई है। अनुमान के मुताबिक लगभग 400 विदेशी और दोहरी नागरिकता वाले लोग बुधवार को सीमा पार कर सकते हैं।

गाजा पट्टी में 44 देशों के नागरिकों समेत 20 लाख से अधिक लोग

संकट गहराने के बीच ये जानना भी जरूरी है कि जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों के नागरिक युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे हैं। विदेशी सरकारों का कहना है कि 44 देशों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र निकायों सहित 28 एजेंसियों के पासपोर्ट धारक गाजा पट्टी में रह रहे हैं। बता दें कि हमास हमलों के जवाब में 2.4 मिलियन लोग तीन सप्ताह से अधिक समय से लगातार हो रही इस्राइली बमबारी झेल रहे हैं।

9000 से अधिक मौतें, दो तिहाई महिलाएं-बच्चे

हमास के नेस्तनाबूंद करने की कसम खा चुके इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के फरमान पर गाजा पट्टी की पूर्ण नाकेबंदी कर दी गई है। इस कारण गाजा में रहने वाली जनता को भोजन, पानी और बिजली की ÷भयावह÷ कमी का सामना करना पड़ रहा है। हमास संचालित गाजा में इस्राइली सेना की बमबारी में 9000 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबरें आ चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मरने वालों में दो-तिहाई महिलाएं और बच्चे हैं।

मिस्र के अस्पताल में घायलों का इलाज

रिपोर्ट के मुताबिक मिस्र ने कहा, 81 गंभीर रूप से बीमार या घायल फलस्तीनियों के पहले समूह को बुधवार को चिकित्सा उपचार की अनुमति दी जाएगी। मिस्र की खुफिया सेवाओं के करीबी टीवी चैनलों पर टर्मिनल में प्रवेश करने वाले एम्बुलेंस के काफिले की तस्वीरें भी दिखाई गईं।

मतगणना स्थल एवं स्ट्रांग रूम में सुरक्षा व्यवस्था व आवश्यक तैयारियों का लिया जायजा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के पर्यवेक्षण के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री रूपवंत सिंह, विधानसभा क्षेत्र सीतापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री पी कोटेश्वर राव एवं विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री बी सी सतीशा तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा और विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस श्री विजय बहादुर वर्मा, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस श्री मंजूनाथ ए.एन. एवं पुलिस प्रेक्षक आईपीएस श्री अमित बरदार ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुंदन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा के साथ बुधवार को विधानसभा निर्वाचन की तैयारी के मद्देनजर पॉलिटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर में तैयार किए गए मतगणना स्थल तथा स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग के चेकलिस्ट के अनुरूप तैयारियों का अवलोकन कर सभी प्रेक्षकों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जाहिर किया। प्रेक्षकों ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए पृथक-पृथक स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल, निर्वाचन संबंधी सामाग्रियों का वितरण एवं वापसी, मतगणना, वाहन एवं रूट चार्ट की जानकारी लेते हुए तैयारियों का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रेक्षकों ने सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरों और विद्युत तथा लाइटिंग की पर्याप्त व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री कुंदन ने आवश्यक तैयारियों तथा सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त अम्बिकापुर श्री अभिषेक कुमार, सभी रिटर्निंग अधिकारी तथा निर्वाचन कार्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

7 नवम्बर से 30 नवम्बर तक एक्जिट पोल के आयोजन और प्रसारण पर रहेगा प्रतिबंध

भारत निर्वाचन आयोग ने जारी की अधिसूचना

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों में विधानसभा आम निर्वाचन के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी 7 नवम्बर से 30 नवम्बर तक किसी भी तरह के एक्जिट पोल के आयोजन तथा प्रसारण को प्रतिबंधित किया है।

आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत आयोग द्वारा इस अवधि के दौरान एक्जिट पोल के आयोजन तथा प्रसारण पर रोक लगाई गई है।

भारत निर्वाचन आयोग ने पांच राज्यों में विधानसभा आम निर्वाचन के दृष्टिगत 7 नवम्बर को सवेरे सात बजे से 30 नवम्बर की शाम साढ़े छह बजे तक की अवधि को एक्जिट पोल के आयोजन और प्रसारण पर प्रतिबंधित अवधि के रूप में अधिसूचित किया है।

इस अवधि में विधानसभा आम निर्वाचन के संदर्भ में किसी भी तरह के एक्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार या किसी भी अन्य तरीके से प्रचार-प्रसार पर रोक रहेगी।

आयोग ने अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 (1) (ख) के अधीन पांच राज्यों में साधारण निर्वाचन एवं उप निर्वाचन में संबंधित मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। अधिसूचना अनुसार इस धारा के उपबन्धों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर दण्ड के रूप में दो वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों का प्रावधान है।

जिले में निर्वाचन की तैयारियों पर प्रेक्षकों ने ली जरूरी बैठक

» **निर्वाचन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता के पालन, मतदाता व मतदान प्रतिशत, वेबकास्टिंग आदि विषयों पर हुई विशेष चर्चा**

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य, व्यय एवं पुलिस प्रेक्षक द्वारा सरगुजा में निर्वाचन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस रूपवंत सिंह, विधानसभा सीतापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस पी कोटेश्वर राव, विधानसभा लुण्ड्रा के सामान्य प्रेक्षक आईएएस बीसी सतीशा तथा विधानसभा लुण्ड्रा और अम्बिकापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस श्री विजय बहादुर वर्मा, विधानसभा सीतापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस मंजूनाथ ए.एन. एवं पुलिस प्रेक्षक आईपीएस अमित बरदार के समक्ष जिले की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक में सामान्य प्रेक्षक सिंह एवं राव ने जिले में मतदान अवधि में सुरक्षा व्यवस्था पर जानकारी ली। उन्होंने जिले में संवेदनशील मतदान केंद्रों, मतदान की चुनौतियों, पुलिस के जवानों की तैनाती और ट्रेनिंग सहित विभिन्न सुरक्षा के बिंदुओं पर चर्चा की जिसपर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने आवश्यक जानकारी प्रस्तुत की। सामान्य प्रेक्षक श्री सतीशा ने जिले में गठित फ्लाइंग स्क्वॉड दल, आदर्श मतदान केंद्रों की तैयारी, दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों में सुविधाओं पर जानकारी ली। व्यय प्रेक्षक श्री वर्मा और मंजूनाथ ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर की जा रही जप्ती अथवा नोटिस की कार्रवाइयों पर रिटर्निंग अधिकारियों से प्रक्रिया की जानकारी लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए।

पुलिस प्रेक्षक बरदार ने निर्वाचन के दौरान पुलिस बल की उपलब्धता पर चर्चा की।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक द्वारा जिले की निर्वाचन संबंधी जानकारी, मतदाता परिवर्धन, निर्वाचन कार्य से जुड़े नोडल अधिकारी, वेबकास्टिंग, संगवारी, आदर्श, युवा एवं सक्षम जैसे विशेष मतदान केंद्रों की पारंपरिक थीम पर सजावट, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, मतदान दलों एवं विभिन्न दलों का प्रशिक्षण, सेक्टर अधिकारी, रूट और वाहनों का अधिग्रहण, रेंडमाइजेशन, बीयू, सीयू एवं वीवीपैट, शिकायतों का निराकरण, संपत्ति विरूपण, मतगणना केंद्र और स्ट्रॉन्ग सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में एमसीसी नोडल एवं नगरपालिक निगम आयुक्त अभिषेक कुमार, स्वीप नोडल एवं सीईओ जिला पंचायत नूतन कंवर, समस्त रिटर्निंग अधिकारी एवं निर्वाचन कार्य से संबंधित नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

CMYK

भाजपा प्रत्याशी से ज्यादा कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में दिखी भीड़

मामला बैकुंठपुर विधानसभा का

डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की उपस्थिति में बैकुंठपुर विधानसभा की कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव ने जमा किया अपना नामांकन

कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन रैली में मुस्लिम समुदाय ने बढ़चढ़ कर लिया हिस्सा,भाजपा प्रत्याशी की समुदाय से उम्मीद बदली नाउम्मीदी में

कांग्रेस प्रत्याशी की भीड़ देखकर भाजपा प्रत्याशी समर्थकभी घबराए,बैकुंठपुर विधानसभा में भाजपा कांग्रेस में कांटे की टक्कर

अंबिकापुर के एक नेता के गिरफ्त में बैकुंठपुर विधानसभा की कांग्रेस पार्टी की पूरी कैंपेनिंग

घटती-घटना की खबर पर फिर लगी मोहर...अंबिकापुर के एक नेता ही करेंगे बैकुंठपुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी की कैंपेनिंग

भाजपा प्रत्याशी से ज्यादा भीड़ नजर आई कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन रैली में

बैकुंठपुर विधानसभा से नामांकन रैली में भाजपा की अपेक्षा कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में ज्यादा भीड़ नजर आई,भीड़ जुटाने में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता कहें या विधायक समर्थक सफल हुए और उन्होंने किसी तरह भीड़ भाजपा से ज्यादा जुटाकर दिखाई।

कांग्रेस प्रत्याशी के लिए पूरी कैंपेनिंग करेंगे अंबिकापुर के एक नेता,दैनिक घटती-घटना के इस अंदेशे पर भी लगी मुहर

घटती घटना ने पहले ही यह अंदेशा जाहिर किया था की इस बार बैकुंठपुर की कांग्रेस प्रत्याशी की पूरी कैंपेनिंग चुनाव के लिए अंबिकापुर के एक नेता करेंगे जो चुनाव अपने हिसाब से संचालित करेंगे कांग्रेस के लिए,इस अंदेशे पर तब मुहर लग गई जब नामांकन के लिए उप मुख्यमंत्री के साथ उक्त नेता को बैकुंठपुर पहुंचते देखा गया।अंबिकापुर के ही उक्त कांग्रेसी नेता के नेतृत्व में कांग्रेस प्रत्यासी का नामांकन भी तय था आगे वही सब कुछ दिशा निर्देश जारी करेंगे उन्ही के अनुसार प्रचार प्रसार किया जायेगा यही माना जा रहा है।

साहू समाज को लेकर कांग्रेस भाजपा करेंगे मशक्कत

कांग्रेस भाजपा के लिए बैकुंठपुर विधानसभा में निर्णायक साहू समाज होने वाला है,साहू समाज को लेकर दोनो दल अब जोड़ जुगत में लगे हैं वहीं एक तरफ साहू समाज के पास भाजपा प्रत्याशी को लेकर पुराना मुद्दा है वहीं इस बार कांग्रेस प्रत्याशी भी साहु समाज की नाराजगी का कारण बनी हुई हैं,साहू समाज की दावेदार को अपनी दावेदारी पुख्ता करने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी के इशारे पर प्रत्याशी समर्थकों ने भाजपाई साबित कर दिया जबकि वह कांग्रेस की सदस्य हैं,साहू समाज इस मामले से कांग्रेस प्रत्याशी से नाराज है और यह ताजा मामला है,वैसे यह भी समाज के विरोध में जाने का ही मामला साहू समाज मानकर चल रहा है जिसका नुकसान भी कांग्रेस प्रत्याशी को हो सकता है।

मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस प्रत्याशी की रैली में बढ़चढ़ कर लिया हिस्सा,भाजपा प्रत्याशी समुदाय से समर्थन मामले में आज नजर आए नाउम्मीद

आज कांग्रेस प्रत्यासी की नामांकन रैली में सबसे ज्यादा भीड़ पटना क्षेत्र से प्रत्याशी समर्थकों ने जुटाया,भीड़ में मुस्लिम समुदाय के लोगों की संख्या भी अधिकतम देखी गई,इसके पीछे की वजह यह मानी गई की कांग्रेस प्रत्याशी वर्तमान विधायक ने अपने कार्यकाल में पटना क्षेत्र में संगठन के विभिन्न पदों सहित कई अन्य पदों पर अधिकतम नियुक्तियां मुस्लिम समुदाय से कराई जिसका अब असर दिखने लगा समुदाय इससे कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में जाता नजर आ रहा है। कई भाजपा में रह चुके मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी आज रैली में भाग लिया और कांग्रेस प्रत्यासी के समर्थन में अपनी सहमति दिखाई,वहीं मुस्लिम समुदाय को पटना क्षेत्र में एकजुट करने का काम अल्प संख्यक प्रकोष्ठ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ने कर दिखाया जिससे समुदाय अब उनके साथ खड़ा नजर आने लगा।भाजपा प्रत्याशी को उम्मीद थी की उन्हे समुदाय से कुछ समर्थन मिलेगा लेकिन अब वह आज की रैली के बाद नाउम्मीद हुए हैं बताया जा रहा है।

भीड़ में पार्टी के युवा कार्यकर्ता नहीं आए नजर

कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन रैली में भीड़ अच्छी जुटी नजर आई लेकिन यदि बात पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं की हो तो उनकी संख्या शून्य नजर आई,वैसे बताया जा रहा है कांग्रेस प्रत्याशी मनाने जाने वाली नहीं हैं किसी को उनके पास अंबिकापुर से भी चुनाव के लिए टीम है,अन्य दलों से आने वाले नए लोग उनके साथ हैं किसी को मनाने उनके पास वक्त नहीं।

नामांकन की कुछ झलकियां

- सांसद ज्योत्सना महंत भी नही आई,डिप्टी सीएम विलंब से पहुंचे...नहीं हो पाई जनसभा
- बैकुंठपुर डोल रहा है...दीदी दीदी बोल रहा है...का नारा डीजे से बज रहा था लेकिन नारेबाजी करने वाले उत्साही कार्यकर्ता थे नदारद
- वेदांती तिवारी,योगेश शुक्ला,आशीष डवरे,संजीव सिंह,अजीत लकड़ा,आशा महेश साहू आदि नेता भी सक्रिय नही दिखे क्योंकि इन्हें पूछा ही नहीं गया:सूत्र
- कार्यकर्ता नही तो कैसे होगा बूथ प्रबंधन ?
- बैनर पोस्टर में बड़े नेताओं का फोटो शुरू से गायब,बताया जा रहा है आगे भी नहीं होगा
- भीड़ जुटाने शिवपुर चरचा से सफाई कर्मचारियों को भी गाड़ियों में भरकर लाया गया यह लगा आरोप

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

दूसरे चरण के मतदान के लिए सोमवार 30 अक्टूबर को नामांकन का अंतिम दिवस तय था इस दिन बैकुंठपुर विधानसभा में भी कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन किया,कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में शामिल होने जहां उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव बैकुंठपुर पहुंचे वहीं नामांकन रैली आमसभा को भाजपा के मुकाबले ऐतिहासिक बनाने में जुटे विधायक समर्थकों ने इसमें सफलता प्राप्त कर ली और रैली ऐतिहासिक हुई, रैली में भीड़ जुटाने के लिए पटना क्षेत्र,पोड़ी बचरा क्षेत्र,चरचा क्षेत्र,बंजारीडांड सलका क्षेत्र इस तरह कई क्षेत्र तय किए गए थे जिसमे सबसे अधिक भीड़ पटना क्षेत्र से जुट सकी जो दो हजार के आंकड़े को पार करने वाली अकेली भीड़ थी,पटना क्षेत्र से जुटी भीड़ और अन्य क्षेत्र से जुटी भीड़ की कुल संख्या छह हजार से ज्यादा मानी गई जो भाजपा के मुकाबले ज्यादा आंकी गई। कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में जुटी भीड़ को देखकर भाजपा के प्रत्याशी सहित कार्यकर्ता भी घबराए हुए नजर आ रहे हैं और अब माना जा रहा है की अब कांटे की टक्कर की स्थिति है कांग्रेस भाजपा में कोई एक तरफा नहीं है।

बैकुंठपुर से कांग्रेस प्रत्याशी वर्तमान विधायक ने आज उप मुख्यमंत्री सहित उपस्थित भीड़ के साथ नामांकन तो कर लिया लेकिन अब यह भीड़ कितना मतों में परिवर्तित हो पाता है उनके पक्ष में यह देखने वाली बात होगी। बैकुंठपुर कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में यह भी देखने को मिला की अंबिकापुर के एक कांग्रेस नेता की दखलंदाजी सबसे ज्यादा है और वह खुद ही कैंपेनिंग का जिम्मा बैकुंठपुर विधानसभा का सम्हालने वाले हैं यह साबित होता नजर आया, घटती-घटना ने इस बात की आंशका पहले ही जाहिर कर दी थी की इस बार चुनाव में बैकुंठपुर विधायक कांग्रेस प्रत्याशी के लिए अंबिकापुर से चुनाव संचालन के लिए कुछ लोग पहुचेंगे वही दिखा भी नामांकन के दिन जब कांग्रेस नेता दानिश रफीक सबसे आगे नजर आए जिन्हे लेकर आशंका जाहिर की गई थी,यह एक तरह से घटती घटना की खबर पर मुहर की तरह है। वैसे कांग्रेस प्रत्याशी बैकुंठपुर विधायक अब अंबिकापुर से नए सहयोगियों के भरोसे हैं उन्हे बैकुंठपुर के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों पर भरोसा नही है इसलिए उन्होंने पुराने चावल समान पुराने नेताओं कार्यकर्ताओं को किनारे ही कर दिया है जो नजर भी आने लगा है।

बैकुंठपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के पास नई टीम,अंबिकापुर के नेता होंगे सर्वे सर्वा, पुरानी चावल के समान वरिष्ठ नेताओं से किया किनारा

जोगी कांग्रेस से आए नेताओं ने हाइजैक किया पूरा माहौल

कांग्रेस प्रत्यासी की नामांकन रैली में कोरिया कांग्रेस बंटी नजर आई,जोगी कांग्रेस से कांग्रेस में शामिल होने वाले हावी दिखे माहौल को उन्होंने अपने कब्जे में ले रखा था कांग्रेस का कर्मठ कार्यकर्ता कहीं दूर खड़ा नजर आ रहा था।

बड़े नेता सीधे पहुंचे हेलीपैड,बाकी समय रहे नदारद

कांग्रेस के बड़े नेता वहीं कई कर्मठ कार्यकर्ता टिकट के कई दावेदार रह चुके लोग सीधे हेलीपैड पहुंचे और वहीं से वह लौट भी गए कुल मिलाकर वह टी एस सिंहदेव का अभिनंदन कर अपने अपने रास्ते लौट गए।बड़े नेताओं की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही,कई कर्मठ कार्यकर्ता भी नदारद दिखे ,माना जा रहा है नामांकन के लिए बुलावा न देकर आदेशित करने का प्रयास किया गया था जिसका असर उल्टा पड़ा और बड़े नेता कर्मठ कार्यकर्ता रहे दूर ।

वेदांती तिवारी ने उप मुख्यमंत्री से किया दावा सीट जीतकर देंगे हम करते हैं वादा

उप मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे कांग्रेस से बैकुंठपुर विधानसभा के प्रबल दावेदार जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री से यह कहा की वह यह सीट जिताकर देंगे,यह बात उन्होंने तब कही जब वह योगेश शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष के साथ उप मुख्यमंत्री से मिल रहे थे और उप मुख्यमंत्री उनसे माफी मांगते हुए सॉरी कह रहे थे।

वेदांती तिवारी पार्टी प्रत्यासी का करेंगे काम,मिला है लाल बत्ती के लिए आश्वासन यह भी कह रहे विधायक समर्थक

वेदांती तिवारी पार्टी प्रत्याशी के लिए काम करेंगे उन्हे आश्वासन मिल चुका है लाल बत्ती का वह विरोध नहीं करेंगे नाराजगी वह भुला देंगे यह भी कह रहे विधायक समर्थक,वैसे जैसा की उनका उप मुख्यमंत्री के समाने सीट को जिताने को लेकर बयान आया है लगता है विधायक समर्थकों की बात हवा हवाई नही है उसमे सच्चाई है।

क्या भाजपा प्रत्याशी राजवाड़े समाज तो कांग्रेस प्रत्याशी मुस्लिम समुदाय को अपना मानकर चल रही है?

नामांकन के बाद अब कांग्रेस भाजपा के लिए मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का काम शेष बचा है जिसमे भाजपा राजवाड़े समाज को जहां एक तरफा अपने तरफ मानकर चल रही है वहीं कांग्रेस प्रत्याशी मुस्लिम मतदाताओं को इसकी भरपाई मानकर चल रही है, नामांकन में भी मुस्लिम समुदाय बढ़चढ़कर कांग्रेस प्रत्याशी के नजर आया भाजपा में पूर्व में शामिल भी रैली शामिल नजर आए मुस्लिम समुदाय के लोग वहीं इसी तरह भाजपा प्रत्यासी की रैली में राजवाड़े समाज के लोगों की संख्या अधिक देखी गई थी,अब आगे दोनो दलों के लिए अब साहू समाज निर्णायक साबित होने वाला है और इसी समाज की तरफ दोनो का रुख है,साहू समाज को लेकर जहां कांग्रेस भाजपा प्रत्याशी के पूर्व बयान को हथियार बनाने की फिराक में है वहीं भाजपा के पास भी एक नया मुद्दा है जो जनपद उपाध्यक्ष से जुड़ा हुआ मुद्दा है जिसमे भाजपा के लिए यह फायदेमंद हो सकता है की जब कांग्रेस से एक महिला दावेदार की टिकट बैकुंठपुर विधानसभा से तय हो जा रही थी तब केवल उसकी टिकट काटकर वर्तमान विधायक को ही प्रत्याशी बनाने के लिए महिला साहू समाज से जो दावेदार थी उसे भाजपाई साबित किया कांग्रेस प्रत्याशी समर्थकों ने वहीं इसके लिए उन्होंने समाचार पत्रों का भी सहारा लिया और सही साहु समाज की दावेदारी उसे भाजपाई साबित कर समाप्त कर दी । साहू समाज के पास भाजपा यह मुद्दा लेकर अपने पक्ष में मतदान के लिए अपील करने पहुंचने वाला है। अब देखना है कौन किस पर भारी पड़ता है। वैसे कांग्रेस की विशाल नामांकन रैली में यह भी देखने को मिला की पेट्रोल डीजल के लिए माइक चोगा लगाकर अलाउंस किया जा रहा था गिनती करते हुए डीजल पेट्रोल बांटा जा रहा था कई सक्षम भी डीजल पेट्रोल के लिए कतार में थे जो भाजपा की नामांकन रैली में नजर नही। आया वहां कुछ मामलो में रैली स्वस्फूर्त नजर आई कांग्रेस में प्रायोजित।

उप मुख्यमंत्री से मिलने भीड़ से जद्दोजहद करते पूर्व जिलाध्यक्ष की तस्वीर बताती है पद से हटते ही उनकी पार्टी में अहमियत कितनी है

भीड़ में उप मुख्यमंत्री से मिलने संघर्ष करते नजर आए...पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष नजीर अजहर,नामांकन के दौरान भी जिला निर्वाचन कार्यालय में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने प्रत्याशी के साथ नहीं दिखी उनकी तस्वीर

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिन्होंने किया संगठन को मजबूत जिनके नेतृत्व में हुई थी तीनों सीटों पर जीत,अब पद से हटने के बाद दिखा असर, उप मुख्यमंत्री से मिलने भीड़ में संघर्ष करते नजर आए पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष नजीर अजहर, नामांकन के दौरान भी जिला निर्वाचन कार्यालय में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने प्रत्याशी के साथ नहीं दिखी उनकी तस्वीर। विधानसभा से रिटर्निंग ऑफिसर तक पहुंचने में शिवपुर नगरपालिका अध्यक्ष ही विधानसभा से नजर आई सफल,वर्तमान जिलाध्यक्ष को उनके अतिरिक्त देखा गया तस्वीर में। कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में

जमकर हुई वरिष्ठ कांग्रेसियों की उपेक्षा,न प्रत्याशी ने दी तवज्जो न संगठन ही दिखा उन्हे लेकर गंभीर।

राजनीति में अक्सर देखने को मिला है की वरिष्ठ को सम्मान मिलता रहा है वह पद में हो या पद से विमुक्त हो वरिष्ठ वरिष्ठ माना जाता है उसका सम्मान अपनी जगह बरकरार रहता है, लेकिन बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन रैली और नामांकन प्रक्रिया के दौरान ऐसा कुछ कई बार देखने को मिला जिससे साबित हो गया की फिलहाल कांग्रेस में बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी तक ही सीमित है और उसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ किसी का कोई सम्मान फिलहाल नहीं है जो देखने को मिला। नामांकन के दिवस जब उप मुख्यमंत्री बैकुंठपुर पहुंचे तब की एक तस्वीर सोशल मिडिया में वायरल हुई है जिसमे नजर आ रहा है की किस तरह कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष नजीर अजहर को उप मुख्यमंत्री से मिलने के लिए भीड़ में जद्दोजहद करना पड़ रहा है और उन्हे भीड़ से संघर्ष करते देखा जा रहा है जबकि यह वह जिलाध्यक्ष हैं जिन्होंने पार्टी को विपरीत स्थितियों में भी सम्हाले रखा और पार्टी के कार्यकर्ताओं का कभी मनोबल नहीं टूटने दिया पिछले चुनाव में एक साथ तीन विधानसभा सीट इन्ही के नेतृत्व में कांग्रेस को मिल पाई थीं जिले की और आज उनके पद से हटते ही उनकी यह स्थिति लोगों से भी समझ से परे है।

कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में जमकर हुई वरिष्ठ कांग्रेसियों की उपेक्षा,न प्रत्याशी ने दी तवज्जो न संगठन है उनके प्रति गंभीर

पूर्व जिलाध्यक्ष को भीड़ में उप मुख्यमंत्री से मिलने संघर्ष करते तो देखा ही गया उन्हे कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन के दौरान भी रिटर्निंग ऑफिसर के पास तक जाने साथ नहीं रखा गया जबकि वह पार्टी के जिले के सबसे वरिष्ठ और अनुभवी नेता थे बावजूद उन्हे किनारे रखा गया जो चर्चा का विषय है।

अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी भी नामांकन में दिखे दूर दूर,किसी की नहीं हुई पूछ परख

नामांकन के दौरान अन्य कांग्रेसी भी दूर दूर नजर आए उन्हे भी कोई खास तवज्जो नहीं मिला यह भी देखने को मिला,प्रत्याशी कुछ सीमित लोगों के कहने पर ही आगे बढ़ रही हैं वह वरिष्ठ लोगों को किनारे करने का ठान चुकी हैं जो सुनने में आ रहा है और दिख भी रहा है।

अवैध कारोबारी दिखे सबसे आगे,कांग्रेस के कर्मठ कार्यकर्ता भी दिखे उनके पीछे

जैसा की पहले ही आशंका जाहिर की गई थी की कांग्रेस प्रत्याशी की जीत का जिम्मा अवैध कारोबारी लेकर चल रहे हैं और वही पूरी तरह चुनाव संचालन का जिम्मा सम्हालने वाले हैं वही नामांकन के दिन देखने को भी मिला कर्मठ कांग्रेसी कार्यकर्ता उनके पीछे नजर आए और उन्हे अवैध कारोबार से जुड़े लोगों से ही आने जाने के लिए रैली में वाहन खर्च लेना पड़ा जैसा की खुद कर्मठ कार्यकर्ता बता रहे हैं। कार्यकर्ताओं के अनुसार जो लोग पिछले चुनाव में पार्टी के खिलाफ थे उनके सामने जाकर भी उन्हे कार्यक्रमों में जाने व्यवस्था जानना पड़ रहा है और कहीं न कहीं इससे उनका मनोबल टूटता हुआ नजर आ रहा है।

CMYK

राजेश गुप्ता कई लोगों के साथ भारतीय जनता पार्टी में हुए शामिल

आखिर क्यों बिहारीलाल राजवाड़े के करीबी भारतीय जनता पार्टी में हुए शामिल?

बिहारी लाल राजवाड़े का जादू खत्म हो रहा है क्या उनके समर्थक अब उनसे ही किनारा कर रहै है?

छजका के पूर्व विधायक प्रत्याशी बिहारी लाल राजवाड़े के एक काफी करीबी साथी भाजपा में हुए शामिल

भाजपा में शामिल होने वाले राजेश गुप्ता ने अपने होटल के कुछ ग्राहकों को जबरन भाजपा प्रवेश करवायाःसूत्र

क्या बिहारी लाल राजवाड़े का वर्तमान विधायक अंबिका सिंहदेव के करीब होना उन्हीं के समर्थकों को रास नहीं आ रहा है?

आश्चर्यचकित करने वाली बात यह है कि व्यवसायी राजेश गुप्ता, बिहारी लाल राजवाड़े और उनके साथियों के कट्टर समर्थक माने जाते रहे हैं ने चुनाव के वक्त और जिस दिन कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन था उसी दिन राजेश गुप्ता ने अपने कुछ साथियों के साथ भाजपा प्रवेश किया। इसके पूर्व भाजपा प्रत्याशी भईयालाल राजवाड़े के नामांकन में भी राजेश गुप्ता ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसके फोटो और वीडियो उन्होंने स्वयं सोशल मीडिया पर प्रसारित किए थे। अब पटना क्षेत्र में इस नाटकीय घटनाक्रम के बाद चर्चाओं में जोर पकड़ लिया है कि कहीं ना कहीं चुनाव से कुछ समय पूर्व बिहारी लाल राजवाड़े का वर्तमान विधायक अंबिका सिंहदेव के करीब होना उन्हीं के समर्थकों को रास नहीं आ रहा है। अब यह विरोध बिहारी लाल राजवाड़े का है या अंबिका सिंह देव का यह तो देखने वाली बात है। परंतु इतना तय है की दिन प्रतिदिन पटना 84 में कांग्रेस का कद लगातार घटता जा रहा है। आज तक के चुनाव में कांग्रेस ने सदैव पटना 84 से बढत हासील की है। परंतु स्थिति इस बार उलट नजर आ रही है। एसएससी का फायदा भाजपा को मिलेगा या किसी अन्य को, यह तो आने वाला वक्त बताएगा। क्योंकि भाजपा में भी पटना क्षेत्र में प्रत्याशी के इर्द-गिर्द घेरा बनाए हुए लोगों को जनता पसंद नहीं कर रही है। जिसकी गूंज चौक चौराहे पर अक्सर सुनाइ दे रही है।

कांग्रेस और बीजेपी से असंतुष्ट लोग क्या गोपनीय तरीके से कर सकते हैं तीसरे विकल्प का चयन

एक और जहां कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती अंबिका सिंह देव का उनकी ही पार्टी में और जनता के बीच तेज विरोध है। वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी के इर्द-गिर्द घेराबंदी किए हुए लोगों को भी जनता सख्त नापसंद कर रही है। इस समय यदि पटना 84 के लोगों को कोई मजबूत तीसरा विकल्प नजर आ जाए, तो ऐसा अनुमान है कि पटना 84 की जनता निश्चित ही इन दोनों पार्टी को सबक सिखाने को आतुर रहेगी। वैसे पटना 84 से ही आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार डॉ आकाश जायसवाल मैदान में है, यदि उन्होंने जनता के मन को साध लिया तो निश्चय ही पटना 84 में भाजपा और कांग्रेस दोनों को बड़ा नुकसान होने वाला है।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर में विधानसभा में विधानसभा चुनाव के ठीक पूर्व राजनीतिक दलों में प्रवेश और राजनीतिक दलों से मोहभंग लगातार देखने को मिल रहा है, अपनी अपनी मंशा अनुसार लोग अपने अपने पसंद के दल में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं और दल छोड़ भी रहे हैं, जो राजनीतिक दलों के लिए भी चुनाव के समय उत्साह उत्पन्न करने वाला मामला साबित हो रहा है वहीं कुछ के लिए यह अच्छा संकेत भी नहीं है, इसी क्रम में सोमवार 30 अक्टूबर को पटना निवासी पिछले विधानसभा चुनाव में जनता जोगी कांग्रेस प्रत्याशी बिहारीलाल राजवाड़े के खास समर्थक व्यवसाई राजेश गुप्ता ने भाजपा में प्रवेश किया है और उन्होंने अपने साथियों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है,राजेश गुप्ता सहित उनके साथियों को भाजपा की सदस्यता पटना मंडल की भाजपा की बैठक में दिलाई गई जहां भाजपा के पटना मंडल के पदाधिकारियों सहित युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष भी मौजूद रहे। राजेश गुप्ता की सदस्यता के दौरान भाजपा के विधानसभा प्रभारी ने उन्हे सदस्यता ग्रहण कराई।

राजेश गुप्ता पिछले चुनाव में जनता जोगी कांग्रेस प्रत्याशी बिहारीलाल राजवाड़े के साथ सबसे ज्यादा सक्रिय रहने वाले उनके समर्थक थे वहीं उनके चुनाव का संचालन भी वही किया करते थे जो प्रमुख भूमिका में थे, बिहारीलाल राजवाड़े जहां खुद वर्ष 2020 में कांग्रेस में शामिल हो गए वहीं उस दौरान वह अकेले ही कांग्रेस में शामिल हुए समर्थकों को उन्होंने उस समय अकेले छोड़ दिया जिससे ही समर्थक उनके नाराज हुए और उनसे अलग जाने का उन्होंने विचार बनाया, बिहारीलाल राजवाड़े के खास समर्थकों में से एक उनके गांव के ही समर्थक ने पहले ही भाजपा का दामन थाम लिया था वहीं राजेश गुप्ता के भाजपा प्रवेश एक बाद उनके एक और समर्थक का उनसे अलग जाकर अपना राजनीतिक भविष्य तलाशना यह बताता है की कहीं न कहीं बिहारीलाल राजवाड़े से चूक हुई और उन्होंने जब कांग्रेस में खुद को शामिल किया उन्होंने अपने खास समर्थकों को विश्वास में नहीं लिया, बिहारीलाल राजवाड़े के साथ केवल उनके एक पुराने समर्थक ने ही कांग्रेस का रुख किया शेष अधिकांश ने उनसे किनारा कर लिया ।माना जा रहा है की बिहारीलाल राजवाड़े का जादू राजनीति में खत्म हो चुका है और इसलिए भी उनसे लोगों का उनके समर्थकों का मोह भंग होता चला गया, बिहारीलाल राजवाड़े जब कांग्रेस प्रवेश किए तब एकमात्र उनके करीबी ने उनका साथ दिया शेष सभी ने इस फैसले का विरोध किया।

राजेश गुप्ता ने जिस संख्या में अपने साथियों को लेकर भाजपा प्रवेश किया बिहारीलाल राजवाड़े ने कांग्रेस प्रवेश के दौरान उतनी भी संख्या खुद के साथ जुटाने में खुद को असमर्थ पाया था और लगभग अकेले ही उनकी कांग्रेस पार्टी में वापसी हुई थी। राजेश गुप्ता भाजपा से जुड़ने के बाद पटना क्षेत्र में भाजपा को मजबूत कर पायेंगे ऐसा माना जा रहा है वहीं वह पूर्व में वार्ड पंच भी रह चुके हैं ऐसे में उनका एक जनाधार भी है जिससे इंकार नहीं किया जा सकता। अब देखना यह है की भाजपा राजेश गुप्ता को क्या जिम्मेदारी देती है वैसे उन्हे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकेगी यह माना जा रहा है।

अपना कद बड़ा दिखाने के लिए कुछ लोगों को धोखे में रखकर कराया गया भाजपा प्रवेशःसूत्र

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार बिहारी लाल राजवाड़े समर्थक राजेश गुप्ता जो पटना में व्यवसायी हैं, ने भाजपा प्रवेश के समय अपना कद बड़ा दिखाने के लिए अपने होटल के कुछ ग्राहकों को धोखे में रखकर भाजपा जिला अध्यक्ष के हाथों भाजपा का गमछा पहनवाया। जब कार्यक्रम का वीडियो वायरल हुआ तो ऐसे युवाओं ने बताया कि हमने भाजपा प्रवेश नहीं किया। हमें कार्यक्रम में बुलाया गया था, वहां तात्कालिक में इस प्रकार की घटनाक्रम घटित होगी इसका हमें अंदाजा नहीं था। हमने भाजपा प्रवेश नहीं लिया है। पटना क्षेत्र में एक पार्टी को त्याग कर दूसरे पार्टी में प्रवेश करना और उसके बाद प्रवेश न करने संबंधी बयान देना आम हो चला है। इससे पहले कांग्रेसियों का गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में प्रवेश और बाद में उसका खंडन आया था। निश्चित है कि क्षेत्र में हास्यास्पद स्थिति निर्मित हो रही है । लोग भाजपा और कांग्रेस छोड़ रहे हैं, एक दूसरे पार्टियों का दामन थाम रहे हैं, और उसके बाद इसका खंडन भी कर रहे हैं। स्पष्ट है कि लोग ना तो भाजपा से खुश दिखाई दे रहे हैं ना ही कांग्रेस से।

वर्तमान में स्थिति में विधायक प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव के सबसे करीबी नेताओं में बिहारी लाल राजवाड़े शुमार हैं

वर्तमान में स्थिति यह है कि बैकुंठपुर विधानसभा से विधायक प्रत्याशी अंबिका सिंह देव के सबसे करीबी नेताओं में बिहारी लाल राजवाड़े शुमार होते हैं, और पटना क्षेत्र के समस्त कार्यकर्ता और नेता जो विगत चुनाव में जोगी कांग्रेस का झंडा उठाए थे, वही आज अंबिका सिंहदेव के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं।

क्या जाना चाहते थे भाजपा में पर मज़बूरी ने पहुंचा दिया कांग्रेस में?

विगत दिवस ग्राम पंचायत पटना में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बेहद आश्चर्यचकित कर देने वाले नाटकीय घटनाक्रम में विगत चुनाव में जोगी कांग्रेस से प्रत्याशी रहे बिहारी लाल राजवाड़े के कट्टर समर्थक राजेश गुप्ता अपने साथियों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। बिहारी लाल राजवाड़े जो की राजवाड़े समाज के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं, और पुराने कांग्रेसी नेता हैं, बीच में अजीत जोगी द्वारा अपनी पार्टी का गठन कर लेने के पश्चात यह जोगी कांग्रेस से बैकुंठपुर विधानसभा क्रमांक 3 के विधायक प्रत्याशी भी रहे। उसके बाद जब जोगी कांग्रेस को प्रदेश में आशातीत सफलता नहीं मिली और विधानसभा चुनाव में बिहारी लाल राजवाड़े की उपस्थिति भी जनता ने नकार दिया तो इन्होंने भाजपा प्रवेश का हर संभव प्रयास किया। परंतु भाजपा के शीर्ष नेताओं की रजामंदगी ना होने के कारण इन्होंने पुनः कांग्रेस में प्रवेश किया। इसके बाद जनपद पंचायत का चुनाव अपने क्षेत्र से जीतकर भाजपा नेताओं के समर्थन से जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बनने की पुरजोर कोशिश की, परंतु सफलता हासिल नहीं हुई। कांग्रेस प्रवेश के बाद भी वर्तमान विधायक से इनकी दूरियां जग जाहिर थी, परंतु राजनीति में सब कुछ संभव है। समय बीतता गया और विधायक के कार्यकाल के अंतिम चरणों में यह वर्तमान विधायक के खास बन बैठे।

लाखों की स्वीकृति आरसीसी पुलिया चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

पुलिया निर्माण कार्य का ले आउट तक देने इंजीनियर नहीं पहुंचे

जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ ने कभी निरीक्षण करने की जिम्मेदारी ही नहीं समझी

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां 01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खड़गवां क्षेत्र कदरेवा के पंदरान पारा मे आर सी सी पुलिया का निर्माण कार्य के लिए लाखो रुपए की राशि स्वीकृति की गई है जो निर्माण कार्य पंदरान पारा मे आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य किया जा रहा है।

इस आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य को प्रारंभ हुए लगभग एक सप्ताह होने जा रहा है इस पुलिया निर्माण कार्य का ले आउट तक देने इंजिनियर नहीं गया है और निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है वहां उपस्थित स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य को देखने और नींव खोदाई कराने इंजिनियर और ना ही अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग आये है।

निर्माण कार्य का प्रारंभ हुए लगभग एक सप्ताह हो गये आज तक सूचना पटल नहीं लगाया गया है। जबकि शासन प्रशासन के सख्त निर्देश है कि निर्माण कार्य शुरू होने से पहले सूचना पटल पर सारी जानकारी लिखी होनी चाहिए जिससे ग्रामीणों को निर्माण कार्य से संबंधित सारी जानकारी प्राप्त हो सके। मगर यहां तो खड़गवां मुख्यालय में चल रहे विकास खंड मुख्यालय से महज तीन से चार किलोमीटर की दूरी पर लाखों रुपए की लागत के निर्माण कार्यों में सूचना पटल नहीं है तो ये दूरदराज के ग्राम पंचायतों में सूचना पटल कैसे लगेगा । मगर इस तरह के निर्माण कार्य को निरीक्षण करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों ने इंजिनियर एवं अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग एवं जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ ने कभी निरीक्षण करने की जिम्मेदारी ही नहीं समझी जिसका प्रमाण स्थल पर सूचना बोर्ड का नहीं लगा होना है। इस आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य के बारे में स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस आर सी सी पुलिया के निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है इस आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य में गिट्टी सीमेंट रेता एवं ढलाई में ब्राईबेटर का उपयोग नहीं किया जा रहा है एक डंडे को बाईब्रेटर बना कर लाखों रुपए की पुलिया का निर्माण कार्य किया जा रहा है । निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत है और आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य विधायक के खास होने का धौस दिखाकर ठेकेदारी के द्वारा कराया जा रहा है।

इस तरह क्षेत्र के कई ग्राम पंचायतों में विधायक के खास होने का धौस दिखाकर निर्माण कार्यों में धड़ल्ले से भ्रष्टाचार कर गुणवत्ता विहीन घटिया सीमेंट घटिया रेता गुणवत्ता विहीन गिट्टी 20 एम एम की गिट्टी कि जगह पर 80 से 100 एम एम की गिट्टी का उपयोग कर धड़ल्ले से आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी निर्माण कार्य को देखने कभी नहीं निर्माण स्थल पर जाते हैं ये जाए भी क्यों विधायक के खास ठेकेदार के द्वारा आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य कदरेवा ग्राम पंचायत के पंदरान पारा बिना इंजिनियर और अनुविभागीय अधिकारी के ले आउट के धड़ल्ले से विधायक के खास ठेकेदार के द्वारा आरसीसी पुलिया का निर्माण कार्य मनमाने तरीके से गुणवत्ता विहीन एवं बिना मापदंड के आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य पूर्ण किए जा रहा हैं। आर सी सी निर्माण कार्य के पश्चात पानी की तराई किया जाता हैं।जबकि आर सी सी के निर्माण कार्य में पानी का विशेष महत्व रहता है जो ग्राम पंचायतों में जब से ठेकेदारी प्रथा से निर्माण कार्य होने लगे वो भी विधायक के खास ठेकेदार के द्वारा तो गुणवत्ता और मापदंड निर्माण कार्यों का भगवान भरोसे हो रहा है। विधायक के खास होने का धौस दिखाकर घटिया सामग्री का उपयोग कर कार्य को आनन- फानन में गुणवत्ता विहीन कर आर सी सी रिटर्निंग वाल आर सी सी पुलिया आर सी सी सडक निर्माण कार्यों को निपटा दिया गया और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की हिमाकत कहा जो विधायक के खास होने वाले ठेकेदार के निर्माण कार्यों की जांच करना तो बहुत दूर है देख लें तो उन अधिकारियों के लिए कयामत ना आ जाए इस का प्रमाण कुछ चिन्ह कित ग्राम पंचायतों में इन विधायक के खास ठेकेदार के द्वारा किए गए निर्माण कार्यों का विडियो सोशल मीडिया पर हो रहे चर्चा सब कुछ प्रमाणित कर रहे हैं। विधायक के खास होने वाले ठेकेदार के द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों का आनन फानन में इसका मूल्यांकन आदि भी तत्काल कर अपनी हिस्सेदारी का खेल पूरा कर लिया जाता है? इस पूरे खेल में जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी का भी भरपूर सहयोग रहता है। सहयोग भी क्यों ना रहे ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी पिछले पंद्रह सालों से एक ही कार्यलय में इन्हीं के रहमो-करम पर पदस्थ हैं। अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में ठेकेदारी प्रथा बड़े जोरों पर चल रही है इस ठेकेदारी प्रथा में आधे आधे का खेल खुलेआम चल रहा है जो क्षेत्र के निर्माण कार्यों में दिखाई दे रहा है ? जनपद पंचायत खडगवा के मुखिया जनपद पंचायत सीईओ भी नहीं जाते ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों के निरीक्षण में सारा का सारा निरीक्षण और जांच कार्यालय में बैठकर हो जाती है? स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी से विभिन्न ग्राम पंचायतों में विधायक के खास ठेकेदार के कई निर्माण कार्य इसी तरह की गुणवत्ता विहीन हो रहे हैं। जैसे आर सी सी रिटर्निंग वाल एवं आर सी सी सड़क आर सी सी पुलिया नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इसकी जांच हो तो सच्चाई सामने आ जाएगी? इस संबंध में जब ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी के के चौधरी से फोन के माध्यम से जानकारी चाही तो उन्होंने कहा कि जनपद क्षेत्र निर्माण कार्य गुणवत्ता युक्त ही हो रहे हैं?

अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करेंःसौरभ कुमार

-संवाददाता-
कोरबा,01 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत विधानसभा सदस्यों के निर्वाचन हेतु 17 नवंबर 2023 दिन शुक्रवार को मतदान केंद्रों में अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है। उन्होंने मतदाताओं को जागरूक होकर इस लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा है कि मतदान दिवस के दिन मतदातागण मतदान के लिए समय निकालकर अपने क्षेत्र के लिए निर्धारित मतदान केंद्रों में उपस्थित होकर अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में प्रत्येक मतदाता का मत अमूल्य है तथा मतदान करना प्रत्येक मतदाता का कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि जब मतदान के लिए जायें तो अपना मतदाता परिचय पत्र (एपिक कार्ड) एवं फोटो युक्त मतदाता पर्ची अवश्य लेकर जायें। मतदान केंद्र में इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन के माध्यम से आप अपने पसंद के प्रत्याशी को चुनने के लिए वोट कर सकते हैं। अपने जिला, राज्य एवं देश की खुशहाली के लिए एवं सशक्त लोकतंत्र के निर्माण के लिए शत प्रतिशत मतदान का होना अपेक्षित है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग सुनिश्चित करने की अपील सभी मतदाताओं से की है।

न्यायलय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 ब 121/2021/22

ग्राम कोट के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राज्यपाल आ0 जितनू जाति गोड़ निवासी ग्राम कोट लिंक कोट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदक अपने पिता जितनू का विलम्ब/मृत्यू प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत् अनुलब्धता प्रमाण पत्र मय अन्य सहायक दस्तावेज के साथ न्यायलय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। मृत्यु दिनांक 03/08/1998

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विविध प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 12/11/2023 को न्यायीलयीन समयवधि में उपस्थित होकर दावा-आपत्ति पेश कर सकते है। उसके पश्चात दावा आपत्ति में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/10/2023 को न्यायलीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

सील

नायब तहसीलदार
लिंक कोर्ट देवनगर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 ब 121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूजा मिश्रा आ0 मनोज मिश्रा व अन्य निवासी शिवधारी कॉलोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुज छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 434/38 रकबा 0.016 हे0 भूमि को अनावेदक प्रिया जायसवाल पत्नी दिलीप जायसवाल निवासी ग्राम गंगोली तहसील लुन्ड्रा जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रूपये 4,00,000- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्थ को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 29/11/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपनु प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 12/10/2023 को न्यायलीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

भारत श्रीलंका के बीच आज होगा महामुकाबला

» श्रीलंका को हराकर भारत कटाएगा सेमी फाइनल का टिकट!

मुंबई,01 नवंबर 2023। वर्ल्ड कप में टॉप पर काबिज भारतीय टीम अपना सातवां मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी। वहीं ये मुकाबला गुरुवार की दोपहर 2 बजे होगा। अभी तक भारत ने एक भी मैच नहीं गंवाया है उसे सभी मुकाबलों में जीत मिली है। जबकि दूसरी तरफ महज 2 जीत और 4 हार के साथ श्रीलंका टीम अपनी तीसरी जीत दर्ज करना चाहेगी। इस बार भारत श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का करना चाहेगा।

दरअसल, तीसरे खिताब की ओर अग्रसर भारतीय टीम जबर्दस्त फॉर्म में है तो श्रीलंका हार दर हार से बेजार है। लगातार छह मैच जीत चुकी भारतीय टीम को सही मायने में अब तक कोई चुनौती नहीं मिली है। भारत ने हर विभाग में एक चैम्पियन की तरह प्रदर्शन किया है। आत्मविश्वास के उफान का कारण यह भी है कि कठिन हालात से भारत ने वापसी करके जीत दर्ज की है मसलन चेन्नई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच रन पर तीन विकेट गंवाना हो या इंग्लैंड के खिलाफ लखनऊ में नौ विकेट पर 229 रन के साधारण स्कोर के बावजूद जीत दर्ज करना हो। इसने विरोधी टीमों के लिये भी खतरे की घंटी बजा दी है कि रोहित शर्मा की टीम का सामना करने के लिये उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

वहीं हार्दिक पंड्या की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी को मौका दिया गया जिन्होंने दो मैचों में नौ विकेट लेकर चयनकर्ताओं के लिये सुखद सिरदर्द पैदा कर दिया है। कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ को पता है कि शमी को आगे के बड़े मुकाबलों के लिये सुरक्षित रखना होगा। पंड्या की वापसी को लेकर अभी कोई अपडेट नहीं है लेकिन भारत की युवा ब्रिगेड का प्रदर्शन जरूर चिंता का सबब है। लगातार अच्छा प्रदर्शन करके विश्व कप में

आये शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर अभी तक कोई बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं।

बता दें कि, गिल डेंगू के कारण पहले दो मैच नहीं खेल सके थे और वापसी के बाद भी सिर्फ एक अर्धशतक जमा सके हैं। इस साल 24 वनडे में पांच शतक और छह अर्धशतक समेत 1334 रन बना चुके गिल को अपना विकेट फेंकने से बचना होगा।शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी जाहिर है जबकि अय्यर भी गेंदबाजों पर दबाव नहीं बना सके हैं। अय्यर ने छह मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। कई मौकों पर वह फिनिशर की भूमिका निभाने में नाकाम रहे।

अब अपने घरेलू मैदान पर पिछली नाकामियों को भुलाकर उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रोहित, सूर्यकुमार यादव और शार्दुल ठाकुर का भी यह घरेलू मैदान है। इस विश्व कप में 66 . 33 की औसत से भारत के लिये सर्वाधिक 398 रन बना चुके रोहित अपने बल्ले से रनों की बौछार करके घरेलू दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करना चाहेंगे।

वहीं क्वालीफिकेशन दौर में शानदार प्रदर्शन करने वाली श्रीलंकाई टीम विश्व कप में नाकाम रही। प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों और अनुपलब्धता ने उसकी परेशानी और बढा दी है। श्रीलंका के लिये सदीरा समरविक्रमा ने छह मैचों में सर्वाधिक 331 रन बनाये हैं जिसमें एक शतक शामिल है। पाथुम निसांका ने भी इस साल एक हजार से अधिक वनडे रन बनाये हैं। विश्व कप में उन्होंने लगातार चार अर्धशतक जड़े हैं। कप्तान कुसल मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज के रूप में श्रीलंका के पास मैच विनर खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अनुभव के अभाव में भारतीय बल्लेबाज उनके लिये बड़ी चुनौती साबित होंगे।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:-

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन इशान किशन ,सूर्यकुमार यादव।

श्रीलंका: कुसल मेंडिस (कप्तान), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महेश तीक्षणा, दुनिथ वेलालेज, कासुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने।

सऊदी अरब फीफा विश्व कप 2034 के लिए बोली लगाएगा

जिनेवा,01 नवंबर 2023। सऊदी अरब 2034 विश्व कप की मेजबानी करना चाहता है। इसके लिए यह बोली लगाएगा। फीफा ने इसकी पुष्टि की।

रिपोर्ट के अनुसार, विश्व फुटबॉल संचालन संस्था को 2030 फीफा विश्व कप की मेजबानी के लिए मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन से और जश्न मनाने वाले खेलों की मेजबानी के लिए उरुग्वे, अर्जेंटीना और पराग्वे से भी बिड आई है।

फीफा ने घोषणा की कि इस पहले चरण के बाद फीफा विश्व कप के दोनों संस्करणों के लिए बोली प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसमें मेजबानों की घोषणा 2024 में फीफा कांग्रेस में एकत्र हुए सदस्य संघों द्वारा की जाएगी। मूल्यांकन रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले फीफा बोलीदाताओं के साथ बातचीत शुरू करेगा। फीफा कांग्रेस रिपोर्टों पर चर्चा करेगी और संबंधित प्रतियोगिताओं के मेजबानों की नियुक्ति करेगी।

भारतीय तैराक वीरधवल खाड़े ने घरेलू टूर्नामेंटों को कहा अलविदा

नईदिल्ली,01नवंबर 2023। बुधवार यानी 1 नवंबर को भारत के अनुभवी तैराक वीरधवल खाड़े ने राष्ट्रीय खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद घरेलू टूर्नामेंटों को अलविदा कह दिया। बीजिंग ओलंपिक 2008 के लिये क्वालीफाई करने वाले भारत के सबसे युवा तैराक रहे खाड़े ने भारत के उदीयमान स्टार श्रीहरि नटराज को हराया।

खाड़े ने 2010 एशियाई खेलों में 50 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीतकर भारत का 24 साल का इंतजार खत्म किया था। उन्होंने कहा ,''मैने 2001 में गोवा में ही अपना पहला राष्ट्रीय पदक जीता था और आज अपने आखिरी राष्ट्रीय खेल में फिर स्वर्ण पदक जीता है। उस समय मैने सोचा भी नहीं था कि यहां तक पहुंचूंगा। मैं अपने कोचों और इस सफर में साथी रहे सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं।''

खाड़े ने चोट के कारण कुछ समय दूर रहने के बाद 2018 में वापसी करके तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था। उन्होंने कहा ,'' दिल से मैं अभी भी जवान हूं लेकिन शरीर थक गया है। इतने साल बीत गए और अब रिकवरी उतनी तेजी से नहीं होती। यह भारत में मेरा आखिरी टूर्नामेंट है। भविष्य में शायद कोच बनूं लेकिन यह मेरी आखिरी प्रतिस्पर्धी रेस थी।

वर्ल्ड कप के बीच डेविड विली ने की इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा

आयरलैंड,01 नवंबर 2023। वर्ल्ड कप के बीच इंग्लैंड के तेज गेंदबाज डेविड विली ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद इसकी जानकारी दी। वहीं उन्होंने लिखा कि वो भारत में खेले जा रहे वनडे वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट दोबारा कभी नहीं खेलेंगे।

विली ने एक्स पर लिखा, मैं कभी नहीं चाहता था कि ये दिन आए, बचपन से ही मैंने हमेशा एक ही सपना देखा-इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलने का। इसलिए काफी सोच विचार करने के बाद बहुत ही अफसोस के साथ कहना चाहता हूं कि इस वर्ल्ड कप के आखिर में इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से मेरे संन्यास लेने का समय आ गया है।

इस वर्ल्ड कप में विली ने 6 मैचों में से 3 मैच खेले हैं। वहीं वो वाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड टीम में बदलाव का हिस्सा थे और भारत में खेले गए 2016 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। विली ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए थे, उस वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड वेस्टइंडीज के खिलाफ हारा था।

विली दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ गेंद को स्विंग कराने की क्षमता के लिए जाना जाता है। विली ने अपने पिछले मैच में विराट कोहली, केएल राहुल और सूर्यकुमार यादव के अहम विकेट समेत 3 विकेट लेकर भारत को परेशान किया था।

विली के संन्यास का ऐलान ऐसे समय में आया है, जब गत चैंपियन इंग्लैंड की टीम का इस वर्ल्ड कप में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है और उसे अपने पहले 6 मैचों में से 5 में हार का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड की वनडे वर्ल्ड कप टीम में शामिल 33 साल के डेविड विली ने 2015 में आयरलैंड के खिलाफ वनडे मैच से इंग्लैंड के लिए अपना डेब्यू किया था। विली ने इंग्लैंड के लिए 70 वनडे में 94 विकेट और 43 टी20 में 51 विकेट झटके हैं।

शाहीन अफरीदी बने नंबर वन वनडे गेंदबाज

करांची,01 नवंबर 2023। पाकिस्तान के स्टार तेज गेदंबाज शाहीन अफरीदी नंबर वन वनडे गेंदबाज बन गए हैं। शाहीन ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा बुधवार को जारी की गई वनडे बॉलर्स रैंकिंग में 9 स्थानों की छलांग लगाई है। उनके 673 रेटिंग अंक हैं। वह ऑस्ट्रेलिया गेंदबाज जोश हेजल वनडे दूसरे नंबर पर पिछड़ गए हैं। शाहीन ने पहली बार किसी भी फॉर्मेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है। दूसरी तरफ भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी इस रैंकिंग में फायदा हुआ है।वर्ल्ड कप 2023 में शाहीन अफरीदी का प्रदर्शन प्रभावी रहा है। वह टूर्नामेंट में संयुक्त रू से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। शाहीन और ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा 16-16 विकेट झटक चुके हैं। शाहीन ने हाल ही में बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन विकेट चटकाए। इस कड़ी में भारतीय पेसर मोहम्मद सिराज और साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

विशेष भृगुवंशी ने दिल्ली को बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय खेल बास्केटबॉल पदक दिलाया

मडगांव,01 नवंबर 2023। गोवा में चल रहे 37वें राष्ट्रीय खेलों में बास्केटबॉल फाइनल दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण नोट पर समाप्त हुआ क्योंकि उन्होंने कांस्य पदक जीता। दिल्ली को यह जीत लंबे अंतराल के बाद मिली क्योंकि विशेष भृगुवंशी ने उस टीम की कप्तानी की जिसमें जोगिंदर सिंह और रवि भारद्वाज जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल थे।

भृगुवंशी ने कहा, भारतीय बास्केटबॉल टीम के प्रदर्शन में लगातार सुधार हो रहा है और हम कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे और आने वाले समय में और अधिक पदक जीतेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि टीम अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अनुभव और अनुभव हासिल करने के लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और प्रतियोगिताओं में भाग ले। राष्ट्रीय खेलों की एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा गया।

मूल रूप से वाराणसी, यूपी के रहने वाले भृगुवंशी ने दिल्ली टीम की कप्तानी करते हुए सर्विसेज टीम के खिलाफ शानदार जीत हासिल की, क्योंकि लड़कों ने सभी लैप्स में उनका साथ दिया।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेलों जैसे प्रतिष्ठित मंच पर भाग लेना बहुत अच्छा लगता है, खासकर तब जब हम घर से पदक लेकर आए।

इस जीत के साथ, बास्केटबॉल के दिग्गज को राज्य और देश के लिए पदक और खिताब में उल्लेखनीय वृद्धि का भरोसा है। भृगुवंशी लगभग 17 वर्षों से भारतीय बास्केटबॉल टीम का हिस्सा हैं और उन्होंने अपने रास्ते में कई उतार-चढ़ावों को सफलतापूर्वक पार किया है। कई चोटों के बावजूद, जिनमें से कुछ ने खेल में उनकी वापसी को लगभग खतरे में डाल दिया था, वह व्यक्ति अविचल दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा है।

उन्होंने अटकलों और परीक्षणों से प्रभावित हुए बिना हर बार वापसी की है। उन्होंने कहा, जब मैंने बास्केटबॉल खेलना शुरू किया था, तब पर्याप्त प्रशिक्षण सुविधाएं नहीं थीं और आर्थिक रूप से मेरा परिवार भी मजबूत नहीं था। लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी, मैंने अस्थायी स्थानों पर अभ्यास करना और खेल खेलना जारी रखा।

खेल के साथ उनके लगभग दो दशक लंबे कार्यकाल के दौरान, भारतीय राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम ने कई पदक जीते हैं। सबसे महत्वपूर्ण जीतों में से एक वह थी जब भारत ने एशियाई बास्केटबॉल पावरहाउस, चीन को हराकर एशियाई बीच खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीता था।

भृगुवंशी ने निष्कर्ष निकाला, जब तक भगवान हमारे साथ है, मैं और मेरी टीम अपने देश के लिए खेलना और जीतना जारी रखेंगे। मेरे अंदर अभी भी बहुत बास्केटबॉल बाकी है और मैं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना जारी रखना चाहता हूं।

न केवल भारत बल्कि एशिया के बास्केटबॉल खिलाड़ियों की टॉप-5 सूची में शामिल भृगुवंशी ने अपने और अपनी टीम के लिए सफलता की नई ऊंचाइयों को छूने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। राष्ट्रीय खेलों में जीत के बाद उनका सपना और आशा है कि भारत इस तरह की और अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले और उनकी टोपी में और अधिक पंख जुड़ें।

पेरिस मास्टर्स:रोमन सफीउलिन ने वर्ल्ड नंबर 2 अल्काराज को चौंकाया

पेरिस,01 नवंबर 2023। रूस के रोमन सफीउलिन ने पेरिस मास्टर्स में नंबर 2 कार्लोस अल्काराज को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। क्वालीफायर ने दोनों सेटों में शुरुआती ब्रेक से उबरते हुए 6-3, 6-4 से अप्रत्याशित जीत दर्ज की, जिससे अल्काराज को 2023 में पहली बार शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा।

सफीउलिन इस जीत के साथ एटीपी लाइव रैंकिंग में 39वें नंबर पर पहुंच गए हैं और पहली बार शीर्ष 40 में पहुंचने के लिए तैयार हैं। हाल के महीनों में विंबलडन क्वार्टर फाइनल और चेंगदू फाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद 26 वर्षीय खिलाड़ी की अल्काराज के खिलाफ बेहतरीन जीत हुई।

मैच के बाद सफीउलिन ने कहा, कार्लोस के लिए, यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, लेकिन फिर भी मुझे खुशी है कि मैं जीत सकता हूं, भले ही वह सर्वश्रेष्ठ स्थिति में न हो, उसे हराना कठिन है। इसलिए मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने इसे हासिल किया।

अल्काराज, जिन्हें अपने बाएं पैर और पीठ के निचले हिस्से की समस्याओं के कारण बासेल से बाहर निकलने के लिए मजबूर

होना पड़ा था, सितंबर में ग्रिगोर दिमित्रोव से शंघाई ओपन 16 में अपनी हार के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

यह हार लगातार दूसरे वर्ष पेपरस्टोन एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहकर सीज़न समाप्त करने की उनकी दावेदारीको भारी झटका देती है; वह एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में दुनिया के नंबर 1 नोवाक जोकोविच से 500 अंक पीछे हैं, सर्बियाई खिलाड़ी बुधवार को अपना पेरिस अभियान शुरू करने के लिए तैयार हैं।

पेरिस में पहले दौर में बाई के बाद, अल्काराज ने दोनों सेटों में शानदार शुरुआत की, लेकिन सफीउलिन के स्थिर खेल के कारण वह पिछड़ गए। क्वालीफायर को स्पैनियार्ड की 27 बेजां भूलों से सहायता मिली, हालांकि उन्होंने विशेष रूप से महत्वपूर्ण क्षणों में अच्छा बचाव करके अल्काराज की गलतियों में अपनी भूमिका निभाई।

किसी भी प्रायोजक पैच से रहित एक सादे सफेद शर्ट में खेलते हुए, कर्मठ सफीउलिन ने मैच में आठ ब्रेक अवसरों में से चार को बदल दिया - प्रत्येक सेट में दो - जबकि टेनिस के सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक, अल्काराज के खिलाफ चार में से दो ब्रेक प्वाइंट बचाए। शंघाई में अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ अपनी जीत के साथ,इस जीत के साथ शीर्ष 10 के मुकाबले 3-6 में सुधार हुआ। सफीउलिन अब पिछले पांच एटीपी मास्टर्स 1000 (मैड्रिड, रोम, शंघाई) में से चार में तीसरे दौर में पहुंच गया है।

रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम 3 का पोस्टर लॉन्च

रणवीर ने कहा...

आला रे आला...सिम्बा आला...

रोहित शेट्टी की आगामी फिल्म सिंघम 3 में बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह एक बार फिर संग्राम भालेराव व सिम्बा की भूमिका को दोहराने के लिए तैयार हैं।रणवीर की सिम्बा वाला सिंघम 3 का नया पोस्टर ऊर्जा से भरपूर है। इंस्पेक्टर संग्राम भालेराव या सिम्बा के रूप में रणवीर बिल्कुल आकर्षक, स्टाइलिश और पहले से अधिक मजबूत लग रहे हैं, पोस्टर गारंटी देता है कि वह मनोरंजन के विस्फोट के साथ आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा किया, और लिखा, सबसे नटखट, सबसे निराला, आला रे आला, सिम्बा आला।

एक सूत्र ने साझा किया, सुपरस्टार सिंघम 3 में वापस आ रहा है, लोग उनके सबसे प्रसिद्ध पात्रों में से एक के बहुप्रतीक्षित अवतार से एक्शन, कॉमेडी और मनोरंजन की उच्च खुराक की उम्मीद कर सकते हैं। सूत्र ने आगे कहा, हमेशा की तरह, उनके वन लाइनर्स हलचल मचा देंगे और दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देंगे। फिल्म में अजय देवगन और दीपिका पादुकोण भी हैं।

टाइगर 3 में सलमान को पूरी टक्कर देंगी कैटरीना, बोलीं-किसी हीरोइन ने नहीं किया होगा ऐसा

कैटरीना कैफ इन दिनों फिल्म टाइगर 3 को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म के ट्रेलर में सलमान खान की तरह कैटरीना भी खूब मार-धाड़ करती दिखी हैं।अब हाल ही में उन्होंने फिल्म में अपने किरदार पर बात की और बताया कि यह उनके लिए कितनी चुनौतीपूर्ण रहा। इसी के साथ कैटरीना ने फिल्म में अपनी जोया की भूमिका को अपने करियर की सबसे शानदार भूमिका बताया।आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

कैटरीन बोलीं, टाइगर 3 दिखाएगी कि जब अपने परिवार या देश या मानवता को बचाने की बात आती है तो ऐसा कुछ नहीं है, जो एक महिला नहीं कर सकती। जोया बताती है कि लड़कियां पालन-पोषण करने के साथ-साथ खतरनाक रक्षक भी हो सकती हैं।उन्होंने कहा, जोया अपने धैर्य और साहस से किसी की भी बराबरी कर सकती है। वह लड़ाई से पीछे नहीं हटती और एक्शन के मामले में भी पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चलती है।

कैटरीना ने कहा, जोया मेरे करियर की सबसे पसंदीदा भूमिकाओं में से एक है। अपने किरदार की एक और चीज जो मुझे लुभाती है, वो ये है कि उसका एक्शन करने का तरीका या कहें स्टाइल भी बड़ा अनोखा है। वह बेहद जटिल से जटिल एक्शन दृश्यों को भी बड़ी आसानी से कर सकती है, जैसा कि आप ट्रेलर में देख सकते हैं।कैटरीना के मुताबिक, जोया का मुकाबला दुश्मनों की फौज से है, जिससे वह अकेले ही निपटती है।कैटरीना बोलीं, हम चाहते थे कि जोया में अधिक ताकत हो। मुझे सचमुच कड़ी मेहनत से गुजरना पड़ा। यह यकीनन मेरे करियर का सबसे कठिन प्रशिक्षण था। जोया का एक्शन देख आपको अहसास होगा कि ऐसे दृश्यों को पहले कभी किसी महिला ने नहीं किया।उन्होंने कहा, दुनिया की कुछ बेहतरीन एक्शन टीमों द्वारा बनाए गए इन दृश्यों को मैं दर्शकों को बड़े पर्दे पर दिखाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने इनके लिए 2 महीने तक तैयारी की है। टाइगर फ्रेंचाइजी में जोया एक ऐसा किरदार है, जो किसी भी मामले में पुरुषों से कम नहीं है। वह एक खतरनाक और बुद्धिमान जासूस है, जो एक्शन के मामले में किसी से पीछे नहीं है।इस बार निर्माताओं ने इस किरदार का कद और बढ़ा दिया है।टाइगर 3 इस दिवाली यानी 12 नवंबर को रविवार के दिन रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान मनीष शर्मा ने संभाली है, वहीं आदित्य चोपड़ा इसके निर्माता हैं।

शाहरुख खान के जन्मदिन पर रिलीज होगा डंकी का टीजर,सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

मौजूदा वक्त में शाहरुख खान अपनी फिल्म जवान की सफलता का आनंद उठा रहे हैं। इस फिल्म ने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।इसी साल आई उनकी फिल्म पठान का भी ऐसा ही जादू चला था।राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित 22 दिसंबर को शाहरुख की एक और फिल्म डंकी रिलीज होनी है, जिसका प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अब डंकी के टीजर से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, डंकी का टीजर शाहरुख के जन्मदिन पर यानी 2 नवंबर को रिलीज किया जाएगा।फिल्म के 2 टीजर जारी होंगे। दोनों को सेंसर बोर्ड द्वारा यू सर्टिफिकेट दिया गया है।डंकी का पहला टीजर 58 सेंकड लंबा होगा, जबिक फिल्म का दूसरा टीजर 1 मिनट 49 सेंकड का होने वाला है।डंकी के टीजर लॉन्च के लिए शाहरुख अपने प्रशंसकों के लिए एक खास कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे और अपने प्रशंसकों के साथ ही टीजर देखेंगे।

CMYK

खड़गे की दहाड़

अगर देश बचाना है तो कांग्रेस को वोट करें

हमने देश बनाने का काम किया,भाजपा बताए उसने क्या किया : मल्लिकार्जुन खड़गे

सुकमा,01 नवम्बर 2023(ए)। मैं आपसे सिर्फ वोट मांगने ही नहीं आया हूं, हमें चुनाव जीतना है, लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी संविधान को बचाना है और समाज को बचाना है। यह बात आज सुकमा में हुई जनसभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में जो वादे किए थे, चाहे वो एमएसपी बढ़ाने का हो या राजीव गांधी न्याय योजना के तहत किसानों के खातों में पैसे पहुंचाने का हो उसे पूरा किया है। भाजपा के शासन काल में अमीर और अमीर हो रहा है, गरीब और गरीब होता गया। लेकिन कांग्रेस ने आम लोगों के लिए काम किया है, इसलिए हम आप से वोट मांग रहे हैं। कांग्रेस के लोगों ने देश के लिए अपनी जान दी है। नेहरू-गांधी के उसूलों पर चलकर देश को आजाद कराया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने देश के लिए कुछ नहीं किया और बार-बार सवाल पूछते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया। एक समय देश में स्कूल नहीं थे, हास्पिटल नहीं थे, बैंक नहीं थे, व्यापार नहीं था। देश को बनाने का काम कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस ने मनरेगा जैसी योजना देने का काम किया है। हमने खाद्य सुरक्षा कानून बनाया। नेहरू जी और डॉ अंबेडकर ने मिलकर संविधान बनाया, जिसमें सबको वोट देने का अधिकार दिया।

जल,जंगल और जमीन आदिवासियों की

राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने कहा कि हम जल, जंगल और जमीन के अधिकार को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। हम आदिवासियों की लड़ाई लड़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल, जंगल और जमीन का अधिकार आदिवासियों को देने का काम किया है। कांग्रेस जीवन को बचाने के अधिकारों के लिए लड़ रही है। आदिवासी मूल निवासी हैं। जल, जंगल और जमीन आदिवासियों की है। कांग्रेस इसे बचाना चाहती हैं। जबकि बीजेपी इसे बेचना चाहते हैं। हम आपको आपका अधिकार देने के लिए आए हैं।

सच बीजेपी को हजम नहीं होता

राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने कहा कि मोदी जी ने 15 लाख रुपये देने का वादा किया था, हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था लेकिन इसमें से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। वह गुजरात के मुख्यमंत्री रहे लेकिन वहां भी गरीबी दूर नहीं कर पाए। हम जब उन्हें झूठा बोलते हैं तो इसमें गलत क्या है। कांग्रेस सच बोलती है और यह बात बीजेपी के लोगों को हजम नहीं होती। मोदी ने कहा कि लोग उन्हें गलियां देते हैं। वह अगर देश के लिए करेंगे तो लोग उन्हें गालियां नहीं देंगे।

मोदी जी चश्मा उतार कर देखें छत्तीसगढ़ का विकास

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खरगे ने कहा कि बीजेपी नेताओं के पास कांग्रेस नेताओं को गाली देने के अलावा कोई काम नहीं। वह लोग ऐसा माहौल बनाते हैं कि 2014 के बाद ही सारे काम हुए हैं। तेंदूपत्ता का दाम हमने बढ़ाया, वन अधिकार पट्टा पूरे देश में सबसे अधिक हमने दिया, धान का सबसे ज्यादा दाम हमने दिया, बिजली की व्यवस्था की, क्या जो स्कूल छत्तीसगढ़ में खुले हैं, वह सब मोदी जी ने खोले हैं। नड्डा जी और मोदी जी चश्मा उतारकर देखें तब उन्हें छत्तीसगढ़ का विकास दिखाई देगा।

कांग्रेस जो कहती है उसे पूरा करती है

राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे कहा कि कांग्रेस ने सभी वादे पूरे किए हैं। इस बार भी 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, सिलेंडर पर 500 रुपये की सब्सिडी, केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा समेत अन्य घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है उसे पूरा करके दिखाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ के कांकेर में होंगे

कांकेर में करेंगे चुनावी सभा

रायपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 नवंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। मोदी यहां कांकेर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। पांच महीने में यह प्रधानमंत्री मोदी का पांचवां छत्तीसगढ़ दौरा होगा। चुनावी सरगर्मी शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी 7 जुलाई को रायपुर आए थे। यहां साइंस कॉलेज मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया था। इसी सभा के दौरान पीएम ने आउ नई सहिबो बदल के रहिबो का नारा दिया था। इसके बाद प्रधानमंत्री 14 अगस्त को रायगढ़ आए थे। 30 सितंबर को प्रधानमंत्री की बिलासपुर में आम सभा हुई थी। वहीं, आचार संहिता लगने के पहले 3 अक?टूबर को पीएम मोदी जगदलपुर आए थे।

सिम्स के पक्ष से असंतुष्ट कोर्ट

» आईएएस अफसर के हाथों में होगी बिलासपुर सिम्स की कमान

बिलासपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। सिम्स की अव्यवस्थाओं से नाराज होकर बिलासपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने वहां एक पूर्णकालिक आईएएस अफसर की तैनाती का आदेश दे दिया है। कोर्ट ने महाधिवक्ता से कहा की मुख्य सचिव से बात कर सिम्स में आईएएस अफसर की तुरंत पोस्टिंग सुनिश्चित की जाए।

चीफ जस्टिस की बेंच में आज इस मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने सिम्स के पक्ष से संतुष्ट नहीं हुआ। बल्कि गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि 15 दिन बाद कोर्ट कमिश्नर और हेल्थ सिक्रेट्री की टीम

अलग अलग सिम्स की जांच करें कि उसमे कितना सुधार हुआ है। बता दें, सिम्स की खामियों पर मीडिया में प्रकाशित खबरों को संज्ञान लेते हुए चीफ जस्टिस ने पीआईएल दर्ज किया है। इस मामले में आज सुनवाई थी।

माओवादियों ने किया चुनाव का बहिष्कार

विज्ञप्ति जारी कर मतदान कर्मियों से की अपील

बीजापुर,01 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है विधानसभा चुनाव के पहले चरण में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में 7 नवंबर को वोटिंग है। बस्तर छत्तीसगढ़ का सबसे संवेदनशील मतदान क्षेत्र में माना जाता है जो कि यहां नक्सलवाद चरम पर है, जिसके कारण पहले चरण के चुनाव को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकार की पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टुकड़िया भी भेजी गई है। इस दौरान आज नक्सलियों ने फिर चुनाव बहिष्कार का आह्वान किया है नक्सलियों ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि चुनाव अधिकारियों को एवं चुनाव कर्मियों को हमारी अपील है कि 7 नवंबर को होने वाला चुनाव मैं हमारे संघर्ष वाले एरिया में आएंगे जहां आपकी जान को खतरा है,आप यहां ना आकर अपने आप को सुरक्षित रखें।

मीडिया के सभी प्लेटफार्म में एक्जिट पोल पर 30 तक रोक

रायपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। विधानसभा चुनाव में अब किसी भी मीडिया के द्वारा एक्जिटपोल का प्रसारण, आयोजन नहीं किया जा सकता। भारत निर्वाचन आयोग ने इसके लिए आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत 7 नवम्बर से 30 नवम्बर तक एक्जिट पोल के आयोजन या प्रसारण को प्रतिबंधित किया है।

भारत निर्वाचन आयोग ने पांच राज्यों में विधानसभा आम निर्वाचन के दृष्टिगत 7 नवम्बर को सवेरे सात बजे से 30 नवम्बर की शाम साढ़े छह बजे तक की अवधि को एक्जिट पोल के आयोजन और प्रसारण पर प्रतिबंधित अवधि के रूप में अधिसूचित किया है। इस अवधि में विधानसभा आम निर्वाचन के संदर्भ में किसी भी तरह के एक्जिट पोल का आयोजन करने या प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार या किसी भी अन्य तरीके से प्रचार-प्रसार पर रोक रहेगी।

आयोग ने अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 (1) (ख) के अधीन पांच राज्यों में साधारण निर्वाचन और उप निर्वाचन में संबंधित मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

चेकिंग के दौरान सामग्रियों की जब्ती को लेकर अलग-अलग नियम बता रहे हैं जानकार

आयकर विभाग ने कहा,ढाई लाख रूपये से कम की नहीं कर सकते जब्ती

रायपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। विधान सभा चुनाव के दौरान पूरे छत्तीसगढ़ में हर रोज लाखों-करोड़ों की नगदी और सामग्रियों की जब्ती हो रही है। इसका व्यावसायिक संगठनों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है, मगर प्रशासन द्वारा बिना दस्तावेज के 50 हजार से अधिक ले जाये जा रहे रकम को सीधे जब्त किया जा रहा है, वहीं आयकर विभाग के एक जिम्मेदार अधिकारी के इस संबंध जारी किये गए बयान से नई बहस छिड़ गई है।

विधानसभा निर्वाचन -2023 की आचार संहिता में कैश जप्ती की हो रही कार्रवाई पर आयकर विभाग (आईटी) के मप्र-छग के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर पीके दास ने कहा है कि ढाई लाख से कम की राशि किसी भी हाल में जप्त नहीं की जा सकती है। इसका किसी को अधिकार नहीं है।

जब्त राशि 24 घंटे में लौटाने का नियम

मप्र-छग के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर पीके दास ने सीए भवन, इंदौर में व्यापारियों से कहा था कि वर्तमान में हो रही कैश जप्ती की कार्रवाई उचित नहीं है। ऐसी जब्त राशि फरियादी को 24 घंटे में लौटाने का नियम है। इसका पालन नहीं हो रहा तो आयोग को शिकायत की जा सकती है।

केवल प्रत्याशी या कार्यकर्ता से हो जप्ती

दरअसल चुनाव आयोग ने भी केवल चुनाव प्रत्याशी, उनके एजेंट या समर्थक द्वारा ही 50 हजार से अधिक कैश परिवहन करने पर जप्ती के लिए कहा है, आम व्यक्ति से नहीं।

सामग्री अथवा रकम के दस्तावेज होना जरुरी

इस संबंध में बेमेतरा के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी पी एस एल्मा से हमने बात की। आयकर विभाग के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर द्वारा आम आदमी द्वारा ले जाये जा रहे ढाई लाख से कम की राशि किसी भी हाल में जप्त नहीं किये जाने संबंधी नियम का हवाला दिया तो उन्होंने कहा कि जैसा निर्देश चुनाव आयोग का है उसका पालन किया जा रहा है। दरअसल आम आदमी भी अगर 50 हजार या उससे अधिक रकम बैंक लेकर जाता है तो मैनेजर उससे पूछताछ करता है कि रकम का क्या श्रोत है। ठीक वैसे ही जांच के दौरान जब 50 हजार से अधिक की रकम या फिर वस्तुएं मिलती हैं तो उसके दस्तावेज की मांग की जाती है, और अगर वह बेनामी हुआ तो जब्ती की प्रक्रिया स्वाभाविक है। बाद में अगर दस्तावेज जमा किये जाते हैं तो सामग्री या रकम लौटा दी जाती है।

पीएस एल्मा ने बताया कि निगरानी दलों को सख्त निर्देश है कि उनकी कार्यप्रणाली से आम लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी अनिवार्य

चुनाव के दौरान जिलों में स्थापित निगरानी केंद्रों के लिए स्थैतिक निगरानी दल गठित किये जाते हैं, जिसमें कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति जरुरी होती है। चुनाव आयोग के आदेश में यह स्पष्ट है कि निगरानी दलों द्वारा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में ही जांच की जाएगी। अक्सर नायब तहसीलदार अथवा तहसीलदार को टीम में शामिल करने का लिखित आदेश रहता है मगर सच तो यह है कि अधिकांश अधिकारी निगरानी दल के साथ मौजूद नहीं रहते। अमूमन कोई संदिग्ध सामग्री अथवा बड़ी रकम मिल जाये तो कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को सूचना देकर मौके पर बुला लिया जाता है। जबकि चौबीसों घंटे इनकी मौजूदगी भी जरुरी है। दरअसल इन्हें चुनाव के दौरान दूसरे महत्वपूर्ण काम भी सौंप दिए जाते हैं, इसीके बहाने ये अधिकारी जांच के दौरान मौजूद नहीं रहते।

एयरफोर्स के 10 एमआई -17 हेलिकाप्टरों से बस्तर के 158 मतदान केंद्रों पर भेजी जाएंगी पोलिंग पार्टी

रायपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में अब छह दिन बच गए हैं। सात नवबंर को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित 20 विधानसभा सीटों पर पोलिंग होगी। इनमें बस्तर की 12 और राजनांदगांव की चार, कवर्धा की दो और मोहला मानपुर, खैरागढ की एक-एक सीटें शामिल हैं। देश के सबसे अधिक नक्सल प्रभावित बस्तर के लिए चुनाव आयोग ने इस बार तगड़ी तैयारी की है। हालांकि, बस्तर में 126 नए मतदान केंद्र बनाने की वजह से पहली बार ऐसा होगा कि इन गावों के लोग अपने गांव में वोटिंग करेंगे। फिर भी 158 मतदान केंद्रों पर इस बार भी हेलिकाप्टरों से मतदान दल भेजे जाएंगे। ये इलाका बेहद दुर्गम और नक्सल प्रभावित है। वहां सड़क मार्ग से पोलिंग पार्टी को भेजना संभव नहीं होगा। क्योंकि, उन इलाकों में नक्सलियों ने बड़ी संख्या में बारूदी सुरंगे बिछा कर रखी है। वहां फोर्स भी काफी सर्तकता और रोड ओपनिंग पार्टी के ग्रीन सिग्नल के बाद ही जा पाती है। इस बार के चुनाव में खुफिया इनपुट्स भी है कि बैकफुट पर जा रहे नक्सली अपने अस्तित्व के लिए चुनाव के दौरान बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा कंगाने ने बताया, रोड कनेक्टिविटी में काफी सुधार होने और फोर्स के कैम्पों की संख्या बढ़ने की वजह से हेलिकाप्टरों से भेजे जाने वाले मतदान दलों की संख्या इस बार कम हुई है। 2018 के विधानसभा चुनाव में 212 मतदान दलों को हेलिकाप्टर से भेजा गया था। इस बार यह संख्या 158 है। उन्होंने बताया, पांच साल में बस्तर में सुरक्षा बलों के 70 कैम्प बढ़ गए हैं। इस वजह से सरकारी मशीनरी अब दुरस्थ इलाकों में भी पहुंच पा रही है।

इस बार एयरफोर्स के 10 एमआई-17 हेलिकाप्टरों की व्यवस्था की गई है। इन हेलिकाप्टरों से 158 पोलिंग पार्टियों को मतदान केंद्रों तक पहुंचाया और वापिस लाया जाएगा। इसके अलावा एक एयर एंबुलेंस और एक हेलिएंबुलेंस की भी व्यवस्था रहेगी। इस दफा पहली बार ऐसा होगा कि गैर नक्सल प्रभावित इलाकों में होने वाले 70 सीटों के चुनाव के लिए भी रायपुर में एयरएंबुलेंस और हेलिएंबुलेश तैनात रहेंगे। अफसरों का कहना है कि कई बार मतदान पार्टियों को ले जाते या लौटते समय घटनाएं हो जाती है, इसको देखते हुए एहतियात के तौर पर एयर और हेलिएंबुलेंस का बंदोबस्त किया गया है।

बिना जांच राजधानी की पटाखा दुकानों में शुरू हो गई नए सीजन की बिक्री

रायपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। रक्षा मानकों और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए त्योहार के पहले एनजीटी ने पटाखों की बिक्री को लेकर निर्देश जारी किया है. इसके अनुसार ऐसे पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंधित है जो चार मीटर से अधिक दूरी तक 125 डेसीबल पटाखा का शोर करे.

राजधानी की 300 से ज्यादा पटाखा दुकानों में स्टॉक भर गया है, लेकिन जांच शुरू नहीं हो पाई है. दशहरे में पटाखों की बिक्री भी हो गई, लेकिन डेसीबल की जांच नहीं हुई. हर साल जांच के लिए टीम बनती है, लेकिन निर्वाचन कार्य की वजह से अभी तक टीम नहीं बन पाई है.

जांच के लिए कोई यंत्र नहीं: हर साल टीमें निकलती हैं, लेकिन टीम के पास ऐसा कोई उपकरण नहीं रहता, जिससे ध्वनि प्रदूषण की मात्रा को मापा जा सके. एक्सप्लोसिव विभाग के पास इसके लिए उपकरण हैं, लेकिन जांच टीम में विभाग से कोई सदस्य ही नहीं

है. दीपावली में सिर्फ दो दिन बचे हैं फिर भी जांच शुरू नहीं हो पाई है. जांच टीम के सदस्य कह रहे हैं कि आने वाले दिनों में जांच करेंगे.

गली-मोहल्ले में सज गई दुकानें

राजधानी में पटाखे की तकरीबन 150 स्थायी व अस्थायी दुकानें सज गई हैं. जिले में गली-मोहल्लों में अवैध रूप से पटाखों की दुकानों से पटाखों की खरीदी-बिक्री शुरू हो गई है. 40 स्थायी लाइसेंसी पटाखा दुकानें हैं. दिवाली त्योहार पर जिलेभर में सैकड़ों अवैध पटाखा दुकानें सज जाती हैं, लेकिन उनकी जांच के लिए टीमें नहीं बनाई गई हैं. नियमों का पालन नहीं करने पर एसडीएम को कार्रवाई का अधिकार है.

एक नजर इधर भी

पटाखा दुकानों के लिए नगर निगम की ओर से सिर्फ जमीन दी जाती है.

ध्वनि प्रदूषण की जांच की जिम्मेदारी निगम की नहीं है.

सभी पटाखा बेचने वालों ने शपथ-पत्र दिया है कि निर्धारित से अधिक आवाज वाले पटाखे नहीं बेचेंगे.

पर्यावरण संरक्षण मंडल की जिम्मेदारी सिर्फ मॉनीटरिंग की.

अभी तक रायपुर में पटाखा दुकान की जांच शुरू नहीं की गई है.

मोबाइल हैक ! जांच के लिए भेजूंगा:सीएम भूपेश

रायपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, मेरा मोबाइल हैक होने की आशंका है। पिछले आठ घंटों से मोबाइल बंद है। चार्ज होने के बाद भी फोन नहीं हुआ है। कुछ तो गड़बड़ है, मोबाइल जांच के लिए भेजूंगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, टीएस सिंहदेव सहित कई विपक्षी नेताओं के फोन में भी थ्रेट अलर्ट आया है, जिसमें 'राज्य-प्रायोजित' निगरानी की बात कही गई है. इस पर टीएस सिंहदेव ने कहा कि स्टेट स्पॉन्सर्ड अटैकर्स द्वारा उनके आईफोन को टारगेट किए जाने की संभावना है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा था कि इसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक संलिप्तता है। तो यह भारत के लोकतंत्र और व्यक्ति की निजता का हनन है।उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने ऐप्पल से प्राप्त ईमेल की तुलना पेगासस जैसे घटना से करते हुए कहा था कि छत्तीसगढ़ में चुनाव के लिए कुछ ही दिन शेष बचे हैं। इस प्रकार का ईमेल आना चिंता का विषय है।

1066 अभ्यर्थियों के नामांकन विधिमान्य

अभ्यर्थी आज तक कर सकेंगे नाम वापसी

रायपुर,01 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत द्वितीय चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में आज नामांकन पत्रों की संवीक्षा के बाद कुल 1066 अभ्यर्थियों के नामांकन विधिमान्य पाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि द्वितीय चरण में नामांकन के अंतिम दिन 30 अक्टूबर तक कुल 1219 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया था।

विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत द्वितीय चरण में विधानसभा क्षेत्र रायपुर नगर दक्षिण में 36, रायपुर नगर पश्चिम में 31, दुर्ग शहर में 27, बिल्हा, रायपुर ग्रामीण में 25-25, बेलतरा में 24, रायगढ़, भाटापारा में 23-23, कोरबा, कसडोल में 22-22, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा में 21-21, भटगांव, लोरमी, महासमुंद में 20-20, धरसींवा, पाटन, वैशाली नगर में 19-19, बेमेतरा, कोटा में 18, सीतापुर, सक्ती, जैजैपुर, रायपुर नगर उत्तर, नवागढ़ में 17-17, अकलतरा, खल्लारी, कुरूद, संजारी-बालोद में 16-16, प्रतापपुर, अम्बिकापुर, कटघोरा, मुंगेली, तखतपुर, आरंग, धमतरी, गुण्डरदेही, दुर्ग ग्रामीण, साजा में 15-15, प्रेमनगर, सामरी में 14-14, भिलाई नगर, मस्तुरी, बलौदाबाजार, अभनपुर में 13-13,

लुण्ड्रा, राजिम में 12-12, मनेन्द्रगढ़, जशपुर, कुनकुरी, पामगढ़, अहिवारा, रामानुजगंज में 11-11, रामपुर, मरवाही, बिलाईगढ़, सारंगढ़, बसना में 10-10, लैलुंगा, पाली-तानाखार, चन्द्रपुर, भरतपुर, सोनहत में 9-9, बैकुण्ठपुर, पत्थलगांव, खरसिया, सरायपाली में 8-8, धरमजयगढ़, बिन्द्रानवागढ़, सिहावा में 7-7, डोंडीलोहरा में 5 नामांकन विधिमान्य पाए गए है।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत द्वितीय चरण में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग तथा सरगुजा संभाग के कुल 70 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। द्वितीय चरण के लिए नामांकन पत्रों की संवीक्षा 31 अक्टूबर को हुई। अभ्यर्थी 2 नवम्बर तक अपने नाम वापस ले सकते हैं। द्वितीय चरण के लिए 17 नवंबर को कुल एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे, जिसमें 81 लाख 41 हजार 624 पुरुष मतदाता और 81 लाख 72 हजार 171 महिला मतदाता तथा 684 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं।

विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत द्वितीय चरण में भरतपुर-सोनहट, मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अम्बिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, रायगढ़, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार, मरवाही, कोटा, लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तूरी, अकलतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, चंद्रपुर, जैजैपुर, पामगढ़, सराईपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ़, कसडोल, बलौदाबाजार, भाटापारा, धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर नगर उत्तर, रायपुर नगर दक्षिण, आरंग, अभनपुर, राजिम, बिन्द्रानवागढ़, सिहावा, कुरूद, धमतरी, संजारी बालोद, डोंडीलोहारा, गुण्डरदेही, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, भिलाई नगर, वैशाली नगर, अहिवारा, साजा, बेमेतरा और नवागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवंबर 2023 को मतदान होगा। प्रथम तथा द्वितीय दोनों ही चरणों की मतगणना 3 दिसंबर 2023 को होगी।

बिना जांच राजधानी की पटाखा दुकानों में शुरू हो गई नए सीजन की बिक्री

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)